स्वाध्यायान्मा प्रमदः

दिल्ली सरकार

कक्षा 12

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision
उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

सोच से सृजन तक – उद्यमिता की उड़ान

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

कक्षा 12

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) शिक्षक निर्देशिका कक्षा 12
February, 2026
Copies : 3520

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-863-5

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

Printed at : M/s Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi- 110092.

सत्यमेव जयते

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

Rekha Gupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

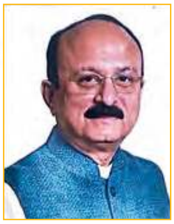

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	NEEEV का परिचय	1
अध्याय 2	उद्यमिता के पथ पर आगे बढ़ना	6
अध्याय 3	आजीवन सीखने की आदत विकसित करना	13
अध्याय 4	ब्रांड निर्माण और कहानी सुनाना	19
अध्याय 5	उद्यमियों को सशक्त बनाना: सरकारी योजनाएं और सहयोग तंत्र	26
अध्याय 6	सतत व्यवसाय के लिए डिजिटल साक्षरता	35
अध्याय 7	निवेश के निर्णय	42
अध्याय 8	व्यवसाय अनुपालन और संरक्षण	50

आइए NEEEV योजना के बारे में जानें

उद्यमिता शिक्षा की उभरती आवश्यकताओं के प्रत्युत्तर में, इस शिक्षक निर्देशिका (Teacher's Manual) को एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में तैयार किया गया है, जो सैद्धांतिक शिक्षा से आगे बढ़कर शिक्षार्थियों को वास्तविक दुनिया के लिए तैयार करने (real-world readiness) को बढ़ावा देती है। NEEEV दृष्टिकोण पर आधारित, यह अनुभवात्मक एवं शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र को प्रोत्साहित करती है, जहाँ शिक्षक अवसर की पहचान, समस्या-समाधान, नवाचार और मूल्य सृजन को सुगम बनाते हैं।

यह निर्देशिका उद्यमिता पाठ्यक्रम के दृष्टिकोण के साथ निकटता से संरेखित है और योग्यता-आधारित शिक्षा, कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम एवं रोजगार क्षमता पर जोर देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सिद्धांतों को दर्शाती है। यह समग्र विकास, अंतःविषय अधिगम और अनुप्रयोग-आधारित समझ का समर्थन करके स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 के अनुरूप भी है। इसके अतिरिक्त, यह उत्तरदायी, समावेशी और संधारणीय (sustainable) उद्यमशीलता प्रथाओं को प्रोत्साहित करके सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ जुड़ती है।

संरचित गतिविधियों, चिंतन (reflection) और स्टार्टअप एक्सपोज़र के माध्यम से, NEEEV शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार व्यक्तियों के रूप में विकसित करती है, जो समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम हों।

NEEEV योजना की संरचना

1. कक्षा-कक्ष अधिगम (In-Classroom Learning)
2. NEEEV संवाद (NEEEV Dialogue)
3. विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)
4. उद्योग / इनक्यूबेशन भ्रमण (Industry / Incubation Visits)
5. स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

प्रत्येक घटक पर निम्नलिखित अनुभागों में विस्तार से चर्चा की गई है।

कक्षा-कक्ष अधिगम

कक्षा-कक्ष संरचना से तात्पर्य सप्ताह में एक बार संरचित और सुगम तरीके से आयोजित होने वाले साप्ताहिक NEEEV सत्र से है। सभी अवधारणाओं और गतिविधियों के लिए शिक्षार्थी निर्देशिका (Student Manual) का पालन किया जाएगा।

शिक्षक दिए गए 'क्या करें और क्या न करें' (Do's and Don'ts) को ध्यान में रखते हुए, निर्देशिका के अनुसार चर्चाओं और कार्यों का मार्गदर्शन करेंगे। इसमें केवल व्याख्यान (lecturing) देने के बजाय अनुभवात्मक अधिगम (experiential learning) पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

शिक्षक निर्देशिका का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे करें-

कार्य	क्या	क्या न करें
सबसे पहले शिक्षार्थी निर्देशिका का संदर्भ लें	• कक्षा से पहले शिक्षार्थी निर्देशिका पढ़ें • कहानियों, गतिविधियों और साप्ताहिक कार्यों को समझें	• शिक्षार्थी सामग्री को दोहराएं या श्रुतिलेख (dictate) न करवाएं • गतिविधियों को समझे बिना शुरुआत न करें
	• प्रश्नों/संकेतों की पूर्व योजना बनाएं • पिछली और आगामी कक्षा के बीच निरंतरता सुनिश्चित करें	• शिक्षक निर्देशिका को एक पटकथा (script) के रूप में न लें
स्पष्टीकरण से नहीं, बल्कि अनुभवों से शुरुआत करें	• गतिविधि/कहानी/वास्तविक जीवन के उदाहरण से प्रारंभ करें • पहले शिक्षार्थियों को सोचने और प्रतिक्रिया देने का अवसर दें • अवलोकन और भागीदारी को प्रोत्साहित करें	• परिभाषाओं से शुरुआत न करें • बने-बनाए उत्तर न दें • लंबे व्याख्यानों का प्रभुत्व न रखें
चिंतन और विचार-विमर्श को सुगम बनाएं	• मुक्त-अंत वाले (open-ended) प्रश्न पूछें • विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें • अधिगम को वास्तविक जीवन से जोड़ें • प्रत्येक शिक्षार्थी के विचार आमंत्रित करें	• उत्तरों को सही/गलत का लेबल न दें • चिंतन में जल्दबाजी न करें • शांत रहने वाले शिक्षार्थियों की उपेक्षा न करें \
अन्वेषण के बाद अवधारणाओं का परिचय दें	• चर्चा के बाद अवधारणाओं को स्पष्ट करें • सारांश के लिए बोर्ड का उपयोग करें • स्पष्टता के लिए संकल्पना (Concept Boxes) का संदर्भ लें	• चर्चा के बाद अवधारणाओं को स्पष्ट करें • सारांश के लिए बोर्ड का उपयोग करें • स्पष्टता के लिए संकल्पना (Concept Boxes) का संदर्भ लें
उद्यमशीलता कौशल विकास में सहायता करें	• आलोचनात्मक चिंतन पर ध्यान केंद्रित करें • समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करें • रचनात्मकता और नवाचार को पोषित करें • संचार और सहयोग को बढ़ावा दें • नैतिक तर्क और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा दें • आत्मविश्वास का निर्माण करें	• केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित न करें • अधिगम से अधिक पूर्णता (perfection) को प्राथमिकता न दें • अपरंपरागत विचारों को हतोत्साहित न करें
कक्षा-कक्ष प्रबंधन दृष्टिकोण	• सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखें • समावेशी भागीदारी को प्रोत्साहित करें • सहकर्मी अधिगम (peer learning) को बढ़ावा दें • प्रयास और सुधार की सराहना करें	• शिक्षार्थियों की नकारात्मक तुलना न करें • उपहास की अनुमति न दें • समझ से अधिक गति को प्राथमिकता न दें
साप्ताहिक कार्यों का उपयोग	• उद्देश्य को स्पष्ट रूप से समझाएं • रचनात्मकता को प्रोत्साहित करें • चर्चा के लिए कार्यों का उपयोग करें • अगले सत्र में कार्यों की पुनर्समीक्षा करें • विविध प्रतिक्रियाओं को स्वीकार करें	• इन्हें परीक्षण (tests) के रूप में न लें • एक समान उत्तरों की अपेक्षा न करें • कठोरता से ग्रेड न दें

NEEEV संवाद (NEEEV DIALOGUE)

'NEEEV संवाद' एक संवादात्मक चर्चा मंच है जहाँ कक्षा 8 से 12 तक के शिक्षार्थी उद्यमियों, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, पेशेवरों, मेंटर्स या साथियों के साथ जुड़ते हैं, ताकि उद्यमशीलता और नवाचार पर वास्तविक जीवन के अनुभवों और अंतर्दृष्टि को साझा किया जा सके। यह चिंतन को प्रेरित करता है, आत्मविश्वास पैदा करता है, और शिक्षार्थी को सार्थक प्रभाव पैदा करने की दिशा में सकारात्मक एवं उत्तरदायी कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को वास्तविक उद्यमशीलता यात्राओं और व्यावहारिक अनुभवों से अवगत कराना।
- संचार, प्रश्न पूछने और सक्रिय श्रवण कौशल का विकास करना।
- चिंतन, आलोचनात्मक सोच और सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित करना।
- विचारों को स्पष्ट और जिम्मेदारी से व्यक्त करने में आत्मविश्वास विकसित करना।
- कक्षा के अधिगम को वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि और अनुप्रयोगों से जोड़ना।
- शिक्षार्थियों को सकारात्मक पहल करने और उद्देश्यपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना।

NEEEV संवाद के लिए फैसिलिटेटर	विकसित होने वाले उद्यमी कौशल	शिक्षार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि
• उद्यमी और स्टार्टअप संस्थापक • विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य • उद्योग विशेषज्ञ • स्थानीय व्यापार स्वामी • सामाजिक उद्यमी • हरित उद्यमी (Green entrepreneurs) • इनक्यूबेशन मेंटर • विषय विशेषज्ञ या नवप्रवर्तक एवं अन्य	• संचार और प्रश्न पूछने का कौशल • आलोचनात्मक सोच और चिंतन • आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति • नेटवर्किंग और पारस्परिक कौशल • अवसर के प्रति जागरूकता और आदि।	• व्यवसाय में वास्तविक जीवन की चुनौतियाँ और अवसर। • उद्यमियों की निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ। • दृढ़ता (persistence) और नवाचार का महत्व। • करियर पाथ और स्टार्टअप यात्राएँ। • वास्तविक अनुभवों से समस्या-समाधान की रणनीतियाँ।

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)

विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं ऐसे व्यावहारिक सत्र (hands-on sessions) हैं, जिन्हें सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक उद्यमशीलता और जीवन कौशल के निर्माण के लिए डिज़ाइन किया गया है। विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों जैसे उद्यमियों, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, वित्तीय पेशेवरों, कानूनी सलाहकारों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, संचार प्रशिक्षकों और सामाजिक नवप्रवर्तकों के लिए खुले इन कार्यशालाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण विषय शामिल हो सकते हैं। इनमें डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, कानूनी बुनियादी बातें, डिज़ाइन थिंकिंग, उत्पाद विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) उपकरण, संधारणीयता (sustainability), नेतृत्व, सहमति-प्रक्रिया (negotiation), टीम वर्क और संरचित पिचिंग (structured pitching) आदि शामिल हैं।

प्रदर्शनों (demonstrations), अभ्यास गतिविधियों, सिमुलेशन और मॉक प्रस्तुतियों के माध्यम से, शिक्षार्थी 'करके सीखते हैं' (learning by doing)। शिक्षक कौशल विकास सुनिश्चित करने के लिए समन्वय और चिंतन (reflection) को सुगम बनाते हैं, जिससे शिक्षार्थी आत्मविश्वासी, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

उद्देश्य

- व्यावहारिक और उद्योग-प्रासंगिक कौशल विकसित करना।
- वास्तविक दुनिया के उपकरणों और प्रथाओं (practices) से अवगत कराना।
- रोजगार क्षमता (employability) और उद्यमशीलता की तत्परता को बढ़ाना।
- अनुभवात्मक अधिगम (experiential learning) को प्रोत्साहित करना।
- नवाचार और रचनात्मकता को सुदृढ़ करना।

फैसिलिटेटर	विकसित होने वाले उद्यमशीलता कौशल	शिक्षार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि
• उद्योग के पेशेवर (Industry professionals) • स्टार्टअप संस्थापक • डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ • वित्तीय सलाहकार • डिज़ाइनर और नवप्रवर्तक • प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ • संचार और नेतृत्व प्रशिक्षक एवं अन्य	• तकनीकी और विशिष्ट कौशल • नवाचार और रचनात्मकता • अनुकूलन क्षमता (Adaptability) और त्वरित अधिगम क्षमता (learning agility) • व्यावसायिक संचार • समस्या-समाधान, व्यावहारिक सोच और कई अन्य कौशल।	• कक्षा-कक्ष की अवधारणाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग। • व्यावहारिक कौशल (Hands-on skills) और वास्तविक दुनिया की तकनीकें। • डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग। • व्यावसायिक संचार और टीम वर्क। • जीवन की यात्रा के दौरान रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान।

उद्योग /इनक्यूबेशन सेल भ्रमण (Industry/ Incubation Cell Visit)

उद्योग भ्रमण एक आयोजित शैक्षिक यात्रा है जहाँ शिक्षार्थी किसी व्यावसायिक संगठन, कारखाने, स्टार्टअप या कंपनी का दौरा करते हैं, ताकि वे वास्तविक दुनिया के संचालन का अवलोकन कर सकें, उत्पादन और प्रबंधन प्रक्रियाओं को समझ सकें, और कक्षा-कक्ष की अवधारणाओं को व्यावहारिक उद्योग प्रथाओं के साथ जोड़ सकें।

इनक्यूबेशन सेल भ्रमण एक स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र या नवाचार हब (innovation hub) का शैक्षिक एक्सपोज़र दौरा है, जहाँ शिक्षार्थी यह सीखते हैं कि कैसे प्रारंभिक चरण के व्यावसायिक विचारों को मेंटरशिप (मार्गदर्शन), वित्तपोषण मार्गदर्शन (funding guidance), बुनियादी ढांचे, नेटवर्किंग और पेशेवर सहायता के माध्यम से समर्थन दिया जाता है।

उद्देश्य

- व्यावसायिक परिवेश से वास्तविक दुनिया का एक्सपोज़र प्रदान करना।
- स्टार्टअप कैसे काम करते हैं और विकसित होते हैं, यह समझना।
- इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और वित्तपोषण (funding) के बारे में सीखना।
- कक्षा-कक्ष के अधिगम को उद्योग की प्रथाओं से जोड़ना।
- उद्यमशीलता और करियर संबंधी आकांक्षाओं को प्रेरित करना।

वे स्थान जहाँ भ्रमण किया जा सकता है	विकसित होने वाले उद्यमशीलता कौशल	शिक्षार्थियों के लिए अंतर्दृष्टि
• विनिर्माण उद्योग (Manufacturing industries) और कारखाने • स्टार्टअप और छोटे व्यवसाय • सामाजिक उद्यम और गैर-सरकारी संगठन (NGOs) • इनक्यूबेशन केंद्र और नवाचार प्रयोगशालाएँ (innovation labs) • प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और आईटी हब (IT hubs)	• अवलोकन और विश्लेषणात्मक सोच • व्यावसायिक संचार • उद्योग जागरूकता • करियर अन्वेषण और जिज्ञासा	• वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक संचालन और टीम की गतिशीलता (team dynamics) को समझना। • व्यावहारिक संदर्भों में नवाचार और समस्या-समाधान को लागू करना। • व्यापार मॉडल (business models) और ग्राहक जुड़ाव (customer engagement) पर स्पष्टता प्राप्त करना।
• खुदरा (Retail) और सेवा व्यवसाय • वित्तीय संस्थान और फिनटेक (fintech) स्टार्टअप • रचनात्मक उद्योग (डिज़ाइन, मीडिया, मार्केटिंग) • कृषि-व्यवसाय (Agri-business) और संधारणीयता (sustainability) स्टार्टअप और अन्य संबंधित स्थान	• अनुकूलन क्षमता और वास्तविक दुनिया के अधिगम की मानसिकता	• स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem), इनक्यूबेशन और सहायता प्रणालियों का अन्वेषण करना। • कार्यस्थल की नैतिकता (workplace ethics) और पेशेवर आचरण के महत्व को पहचानना।

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

'स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता' एक निर्देशित, गतिविधि-आधारित उद्यमशीलता मंच है जहाँ शिक्षार्थी टीमों में काम करते हुए प्रामाणिक समस्याओं की पहचान करते हैं, नवीन और व्यावहारिक समाधान डिज़ाइन करते हैं, और उन्हें संरचित स्टार्टअप या सामाजिक उद्यम विचारों के रूप में विकसित करते हैं। यह अनुसंधान, डिज़ाइन थिंकिंग, बजटिंग, विपणन रणनीति (marketing strategy), प्रोटोटाइपिंग और औपचारिक पिचिंग को एक सुसंगत अधिगम अनुभव (cohesive learning experience) में एकीकृत करता है।

यह एक प्रतियोगिता से कहीं अधिक है; यह एक अनुरूपित (simulated) उद्यमशीलता यात्रा है जो रचनात्मकता, समस्या-समाधान, टीम वर्क, नेतृत्व और व्यावसायिक अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करती है, जिससे शिक्षार्थी आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ विचारों से कार्ययोग्य (actionable) समाधानों की ओर बढ़ने में सक्षम होते हैं।

उद्देश्य

- नवाचार, विचार-सृजन (ideation) और अवसर-संचालित सोच को बढ़ावा देना।

- समस्या-समाधान, प्रोटोटाइप विकास और समाधान सत्यापन (solution validation) कौशल विकसित करना।
- स्टार्टअप योजना, निष्पादन (execution) और प्रतिस्पर्धी रणनीति की क्षमता का निर्माण करना।
- डिजिटल साक्षरता, एआई (AI) जागरूकता, विपणन (marketing), ब्रांडिंग और वित्तीय प्रबंधन कौशल को सुदृढ़ करना।
- संचार, सहयोग, नेतृत्व और संरचित पिचिंग (structured pitching) क्षमताओं को बढ़ाना।
- लचीलापन (resilience), अनुकूलन क्षमता और उद्यमशीलता से जुड़े निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना।
- अधिगम को वास्तविक बाज़ार की चुनौतियों और मूल्य सृजन (value creation) से जोड़ना।
- भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देने वाले भविष्य के लिए तैयार (future-ready) उद्यमियों का पोषण करना।

विभिन्न कक्षाओं में एक प्रगति के रूप में 'स्टार्टअप स्टॉर्मर्स'

चरण 1 (कक्षा 8): उद्यमशीलता की नींव (कक्षा 8)
मुख्य बिंदु (Focus): NEEEV का उन्मुखीकरण (Orientation) और अवसर के प्रति जागरूकता
• NEEEV रूपरेखा की वैचारिक समझ • अवसर खोजने की मानसिकता का विकास • दैनिक समस्याओं और अपूर्ण आवश्यकताओं की पहचान • रचनात्मकता को प्रोत्साहन और प्रेरक स्टार्टअप यात्राओं का एक्सपोज़र
वर्षांत लक्ष्य : शिक्षार्थी जिज्ञासा, अवलोकन क्षमता और मूल्य-सृजन (value-creation) विकसित करते हैं।

चरण 2 (कक्षा 9) : विचार-सृजन (Ideation) और टीम निर्माण	चरण 3 (कक्षा 10) : प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण
मुख्य बिंदु: सहयोगात्मक समस्या पहचान और विचार-सृजन	**मुख्य बिंदु: प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण**
• 5-सदस्यीय संरचित उद्यमशीलता टीमों का निर्माण • सामुदायिक/स्थानीय चुनौतियों की पहचान • संरचित विचार-मंथन (brainstorming) और अपसारी चिंतन (divergent thinking) • व्यवहार्यता परीक्षण (Feasibility screening) और एक व्यवहार्य विचार का चयन	• बुनियादी बाज़ार अनुसंधान और उपयोगकर्ता की समझ • न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (MVP) या प्रोटोटाइप का विकास • साथियों/समुदाय के साथ क्षेत्रीय परीक्षण (Field testing) • फीडबैक के आधार पर पुनरावृत्त सुधार (Iterative refinement)
वर्षांत लक्ष्य: शिक्षार्थी टीम वर्क, विचार-सृजन क्षमता और संरचित समस्या विश्लेषण का प्रदर्शन करते हैं।	**वर्षांत लक्ष्य:** शिक्षार्थी प्रयोग कौशल, सत्यापन तकनीक और पुनरावृत्त चिंतन क्षमता (iterative thinking ability) प्राप्त करते हैं।

चरण 4 (कक्षा 11): उद्यम डिज़ाइन (Venture Design) और बाज़ार निष्पादन	चरण 5 (कक्षा 12) : इनक्यूबेशन और भविष्य का संक्रमण (Future Transition)
मुख्य बिंदु: व्यावसायिक योजना, प्रति टीम वित्तीय सहायता (₹20,000) और बाज़ार में स्थिति (Market Positioning)	**मुख्य बिंदु: उद्यम सुदृढ़ीकरण और पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) से जुड़ाव**
• व्यापार मॉडल (Business model) और मूल्य प्रस्ताव (value proposition) का विकास • बजट बनाना, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण और वित्तीय योजना • विपणन (Marketing), ब्रांडिंग और परिचालन रणनीति • ₹20,000 की वित्तीय सहायता का उत्तरदायी उपयोग • उत्पाद सुधार, बाज़ार सत्यापन और प्रतिस्पर्धी स्थिति • निवेशक-शैली (Investor-style) पिच प्रस्तुति	• अपने स्टार्टअप मॉडल को परिष्कृत और स्थिर करना • वास्तविक या अनुरूपित (simulated) बाज़ार सेटिंग में उद्यम का संचालन या प्रायोगिक परीक्षण (Piloting) • डेमो डे (demo days) या निवेशक-शैली प्रस्तुतियों के माध्यम से उद्यमों का प्रदर्शन • इनक्यूबेशन केंद्रों, आकाओं (mentors) और स्टार्टअप नेटवर्क के साथ जुड़ना • बाहरी प्रतियोगिताओं, वित्तपोषण (funding) के अवसरों और भविष्य के मार्गों का अन्वेषण
वर्षांत लक्ष्य: शिक्षार्थी वित्तीय अनुशासन, रणनीतिक योजना, बाज़ार की तत्परता और पेशेवर पिचिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हैं।	**वर्षांत लक्ष्य:** शिक्षार्थी उद्यम की परिपक्वता, पारिस्थितिकी तंत्र की जागरूकता, और इनक्यूबेशन, उच्च शिक्षा, रोजगार, या स्वतंत्र उद्यमिता में जाने की तत्परता का प्रदर्शन करते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए दिशा-निर्देश

- **पूरक उपकरण:** शिक्षार्थी निर्देशिका और शिक्षक निर्देशिका को पूरक उपकरणों (complementary tools) के रूप में लें।
- **समान शीर्षकों का संदर्भ लें:** शिक्षक निर्देशिका में उल्लिखित विस्तृत अवधारणा बॉक्स, केस स्टोरी, गतिविधियों और साप्ताहिक कार्यों के लिए, सुगमकर्ताओं को उसी अध्याय के अंतर्गत शिक्षार्थी निर्देशिका में दिए गए समान शीर्षकों का संदर्भ लेना चाहिए।
- **विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें:** इस निर्देशिका में दिए गए सांकेतिक उत्तरों का उपयोग केवल मार्गदर्शन के लिए करें। शिक्षार्थियों को विविध उत्तर और दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- **औचित्य स्पष्ट करना:** यह निर्देशिका विषय के औचित्य (rationale) की व्याख्या करती है यह स्पष्ट करती है कि इस अवधारणा को अध्याय में क्यों शामिल किया गया है और यह समग्र अधिगम उद्देश्यों का समर्थन कैसे करती है।
- **पिछली कक्षा से जोड़ना (Connecting the Dots):** निरंतरता बनाने और समझ को मजबूत करने के लिए पिछली कक्षा के संक्षिप्त पुनर्कथन (recap) के रूप में 'कड़ियों को जोड़ना' अनुभाग का उपयोग करें।
- **स्थानीय संदर्भ से जोड़ें:** अवधारणाओं को शिक्षार्थियों के स्थानीय संदर्भ, दैनिक अनुभवों और सामुदायिक उदाहरणों से जोड़कर अधिगम को सार्थक बनाएं.

- **जिज्ञासा को बढ़ावा दें:** जिज्ञासा और गहन चिंतन (deeper thinking) को बढ़ावा देने के लिए कहानी सुनाने (storytelling), केस स्टोरी और परिदृश्यों (scenarios), तथा वास्तविक जीवन की समस्या-चर्चाओं का उपयोग करें।
- **स्पष्ट निर्देश:** शिक्षार्थियों के शुरू करने से पहले स्पष्ट, चरण-दर-चरण निर्देश प्रदान करें और प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य समझाएं।
- **अवलोकन और भागीदारी:** समूह कार्य का सक्रिय रूप से अवलोकन करें और समावेशी तथा संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करें।
- **गतिविधियों का अनुकूलन:** अधिगम के उद्देश्य को बदले बिना समय, कक्षा की गतिशीलता (classroom dynamics) और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर गतिविधियों को अनुकूलित (adapt) करें।
- **प्रयासों की सराहना:** उद्यमशीलता की मानसिकता को पोषित करने के लिए छोटे प्रयासों, रचनात्मक विचारों और शिक्षार्थियों की पहल की सराहना करें।
- **प्रक्रिया-आधारित मूल्यांकन:** प्रक्रिया-आधारित और अवलोकनात्मक मूल्यांकन (observational assessment) पर ध्यान केंद्रित करें। केवल सही उत्तरों की तुलना में भागीदारी, सहयोग, रचनात्मकता और चिंतन (reflection) अधिक महत्वपूर्ण हैं।
- **सत्र का समापन:** अधिगम को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक सत्र का अंत एक संक्षिप्त चिंतन (reflection), मुख्य निष्कर्ष (key takeaway), या जीवन से जुड़ाव (life connection) के साथ करें।

क्यूआर-सक्षम अधिगम संसाधन रूपरेखा (QR-Enabled Learning Resource Framework)

अध्याय के आरंभ में क्यूआर कोड	पिछली कक्षा से जोड़ना क्यूआर कोड	शिक्षक अंतर्दृष्टि मॉड्यूल - पुस्तक के अंत में
प्रत्येक अध्याय के आरंभ में एक क्यूआर कोड प्रदान किया गया है। यह क्यूआर कोड सीधे वर्तमान अध्याय से संबंधित संसाधनों से जुड़ता है।	दूसरा क्यूआर कोड 'कड़ियों को जोड़ना' अनुभाग के आरंभ में रखा गया है। यह शिक्षकों को निरंतरता और गहन समझ के लिए कक्षा की शिक्षार्थी निर्देशिका (Class Student Manual) से संबंधित अध्याय का संदर्भ लेने में सक्षम बनाता है।	पुस्तक के अंत में, एक अतिरिक्त 'शिक्षक अंतर्दृष्टि मॉड्यूल' शामिल किया गया है। यह अनुभाग विस्तृत संसाधन प्रदान करता है, जैसे संदर्भ वीडियो, अनुशंसित पुस्तकें और पूरक पठन सामग्री। ये क्यूआर कोड और संसाधन अनुभाग निर्बाध शिक्षण-अधिगम एकीकरण (seamless teaching-learning integration) और उन्नत वैचारिक समझ में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

S8N3D7

मूल्यांकन (Assessment)

NEEEV में मूल्यांकन शिक्षार्थियों के अधिगम का अवलोकन करने, उसे रिकॉर्ड करने और उसमें सहायता करने की एक सतत प्रक्रिया (continuous process) है, ताकि उनका विकास दृश्यमान और मापने योग्य हो सके। यह फैसिलिटेटर (facilitator) को यह समझने में सहायता करता है कि शिक्षार्थी किस प्रकार उद्यमशीलता कौशल विकसित कर रहे हैं, गतिविधियों में भाग ले रहे हैं और जो वे सीखते हैं उसे कैसे लागू कर रहे हैं। नियमित फीडबैक और दस्तावेज़ीकरण के माध्यम से, मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ संरचित हों, पाठ्यक्रम के लक्ष्यों के अनुरूप हों, और सार्थक कौशल विकास पर केंद्रित हों।

मूल्यांकन के प्रकार

1. **स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment):** अधिगम और विकास पर व्यक्तिगत चिंतन (personal reflection) के लिए। यह शिक्षार्थी निर्देशिका के अंत में दिया गया है।
2. **सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment):** टीम के साथियों के टीम वर्क और उनके योगदान का मूल्यांकन करने के लिए। यह भी शिक्षार्थी निर्देशिका के अंत में दिया गया है।
3. **फैसिलिटेटर मूल्यांकन (Facilitator Assessment):** पूरे वर्ष अवलोकनीय प्रगति (observable progress) को ट्रैक करने के लिए।

मानकीकृत मूल्यांकन प्रारूप शिक्षक निर्देशिका के अंत में संलग्न है और दस्तावेज़ीकरण तथा मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए अनिवार्य रूप से इसका पालन किया जाना चाहिए।

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

L1H8R3

कालांश : 2

प्रत्येक बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से शुरू होता है। जब उस विचार को ध्यान से देखने-समझने और सही सवाल पूछने के साथ आगे बढ़ाया जाता है तो वह उद्देश्यपूर्ण कार्य में बदल जाता है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को अपने आसपास की चीज़ों को ध्यान से देखने, अर्थपूर्ण प्रश्न पूछने और उद्देश्य के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हुए उद्यमी सोच से परिचित कराता है। वास्तविक जीवन की कहानियों, सरल अवधारणाओं और अनुभव आधारित गतिविधियों के माध्यम से यह अध्याय उद्यमिता को एक महत्वपूर्ण जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है। इससे समस्या-समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और मूल्यों पर आधारित सोच को बढ़ावा मिलता है। NEP 2020 और NCFSE 2023 के अनुरूप, तथा कक्षा 8 से 12 के लिए गतिविधि-आधारित NEEEV योजना के माध्यम से लागू किया गया यह अध्याय शिक्षार्थियों को सोचने से लेकर करने और फिर उस पर चिंतन करने तक की प्रक्रिया में मार्गदर्शन देता है। साथ ही, यह उन्हें उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) को समझने में भी मदद करता है। कुल मिलाकर, इसका उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार विद्यार्थियों का विकास करना है जो समाज में मूल्य सृजन कर सकें और जिम्मेदार बदलाव लाने वाले बन सकें।

शिक्षार्थियों से कहें कि वे दिए गए संवादों को पढ़ें और अपने साथी के साथ मिलकर NEEEV की आवश्यकता पर चर्चा करें।

औचित्य

- यह दर्शाता है कि शिक्षा की भूमिका बदल रही है जहाँ केवल अच्छे अंक ही नहीं बल्कि जीवन से जुड़े कौशल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।
- आज के नवाचार-आधारित भारत में समस्या-समाधान, रचनात्मकता, टीमवर्क, संवाद कौशल और परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- वास्तविक जीवन के उदाहरणों और चर्चाओं के माध्यम से "करते हुए सीखने" की अवधारणा से शिक्षार्थियों को परिचित कराता है।
- NEP 2020 और NCFSE 2023 के अनुरूप, अनुभव और क्षमता-आधारित सीखने को बढ़ावा देता है।
- यह बताता है कि NEEEV योजना कक्षा में होने वाली पढ़ाई को वास्तविक जीवन की चुनौतियों और अवसरों से कैसे जोड़ती है।
- शिक्षार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को देखने, उनके समाधान के बारे में सोचने और दैनिक जीवन में पहल करने के लिए प्रेरित करता है।
- सीखने को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) और जिम्मेदार नागरिकता से जोड़ता है।
- ऐसे आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार विद्यार्थियों का विकास करने का उद्देश्य रखता है जो समाज के लिए मूल्य पैदा कर सकें और सार्थक योगदान दे सकें।

NEEEV का पूर्ण रूप है 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग'

यह नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है विद्यालय शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन का एक नया युग शुरू करना।

- **N** New
- **E** Era of
- **E** Entrepreneurial
- **E** Ecosystem &
- **V** Vision

NEEEV योजना के उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को ऐसे भविष्य के लिए तैयार करना जहाँ वे आत्मविश्वास से भरपूर, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाले हों और उच्च शिक्षा, रोजगार तथा उभरते अवसरों के लिए तैयार हों।
- विद्यालय आधारित एक मजबूत उद्यमशील वातावरण विकसित करना, जिसमें समुदाय, मार्गदर्शक (मेंटर्स), निवेशक, इनक्यूबेटर, ग्राहक, सरकारी सहयोग, वित्तीय संस्थाएँ और अन्य सहयोगी नेटवर्क शामिल हों।
- शिक्षार्थियों में उद्यमशील सोच और 21वीं सदी के कौशल जैसे रचनात्मकता, पहल करने की क्षमता, सहयोग, नेतृत्व, समालोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और अन्य आवश्यक दक्षताओं का विकास करना।
- वित्तीय सहायता के साथ प्रोटोटाइप बनाना, परियोजना-आधारित सीखना, उद्यम शुरू करने के प्रयास और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्राप्त करना।
- डिज़ाइन थिंकिंग की प्रक्रिया को अपनाना, समस्याओं की पहचान करना, समाधान के विचार सोचना, विचारों का नमूना (प्रोटोटाइप) बनाना, मॉडल को परखना और लगातार सुधार करना।
- बजट बनाना, लागत समझना, मूल्य तय करना, विपणन, मूल्य सृजन और सोच-समझकर निर्णय लेने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय और व्यावसायिक समझ विकसित करना।
- तकनीक के जिम्मेदार उपयोग, नवाचारपूर्ण तरीकों, साइबर सुरक्षा और नैतिक डिजिटल व्यवहार के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और एआई के प्रति समझ को मजबूत करना ताकि यह उनकी उद्यमशील यात्रा से जुड़ सके।

गतिविधि 1 आप क्या करेंगे?

निर्देश

विद्यार्थियों से कहें कि वे

- दी गई स्थिति को ध्यान से पढ़ें और अपने आप को उस स्थिति में कल्पना करें।
- 2–3 मिनट तक शांत होकर उस पर विचार करें।
- अब अपने सहपाठियों के साथ सक्रिय रूप से चर्चा करें और अपने विचार साझा करें।
- ऐसे संभावित समाधान पहचानें जिन्हें विद्यालय के भीतर ही किया जा सकता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस स्थिति में आपको कैसा महसूस होगा और आप आगे क्या करेंगे?

प्रश्न 2. क्या यह समस्या घर वापस गए बिना हल हो सकती है?

प्रश्न 3. हमारे आसपास ऐसी कौन-सी चीज़ें हैं जो मदद कर सकती हैं?

उद्यमशील सीख: अधिकतर लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं जबकि उद्यमी संभावनाएँ खोजते हैं।

केस स्टोरी 1 एक छोटी समस्या से बड़ा विचार

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे कहानी को ध्यान से पढ़ें, उसमें समस्या–विचार–समाधान और मिले सहयोग (इकोसिस्टम) को पहचानें। फिर अपने साथी के साथ थोड़ी चर्चा करें और मुख्य बातों को साझा करें।
- अपने दैनिक जीवन की किसी समस्या के बारे में सोचें, उसके छोटे-छोटे उत्तर लिखें और कक्षा के साथ एक मुख्य सीख साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. तिलक को कौन-सी छोटी समस्या का सामना करना पड़ा और उन्होंने उसे व्यापारिक विचार में कैसे बदला?

प्रश्न 2. तिलक के इकोसिस्टम में आपको कौन-सा सहयोग सबसे महत्वपूर्ण लगता है और क्यों?

संभावित उत्तर

- *डब्बावाले – डिलीवरी का मुख्य आधार।*
- *माता-पिता – सहयोग और मार्गदर्शन।*
- *मेंटर्स – योजना और रणनीति में मदद।*
- *निवेशक – धन और विस्तार में सहायता।*
- *ग्राहक – भरोसा और विकास।*

प्रश्न 3. अपने दैनिक जीवन में आने वाली किसी समस्या के बारे में सोचिए यदि सही सहयोग मिले तो वह एक अवसर कैसे बन सकती है?

समीक्षा

तिलक मेहता की यात्रा यह दिखाती है कि उद्यमिता की शुरुआत दैनिक जीवन की समस्याओं को ध्यान से देखने और उन्हें सार्थक समाधान में बदलने से होती है। इसमें सहयोग और समर्थन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह भी स्पष्ट होता है कि एक मजबूत इकोसिस्टम विचारों को वास्तविक काम में बदलने में मदद करता है।

NEEEV के माध्यम से शिक्षार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने, पहल करने और आत्मविश्वास के साथ भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता तथा जिम्मेदार परिवर्तनकारी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाता है।

NEEEV के बारे में

NEEEV – दृष्टि, मिशन और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नेतृत्व कौशल विकसित करना है। यह योजना शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, रचनात्मक ढंग से सोचने और जिम्मेदार समाधान तैयार करने के लिए प्रेरित करती है ताकि वे भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकें।

दृष्टि (Vision)

ऐसे सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से जागरूक नवाचारकर्ताओं की पीढ़ी तैयार करना जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में सक्षम हो।

मिशन (Mission)

विद्यालय के शिक्षार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करना, साथ ही समावेशी और समान अवसरों वाले सीखने के वातावरण को बढ़ावा देना।

उद्देश्य (Aim)

विद्यालयों में भविष्य के लिए तैयार एक उद्यमशील वातावरण बनाना जहाँ विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों से सशक्त बनाया जा सके।

NEEEV योजना के प्रमुख घटक

NEEEV पाठ्यक्रम

एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम जो विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाएँ, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से परिचित कराता है।

NEEEV संवाद

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र, जो विद्यार्थियों को प्रेरित करते हैं और कक्षा में होने वाली पढ़ाई को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टोमर्स

एक मंच जहाँ विद्यार्थी अपने स्टार्टअप विचारों को विकसित कर सकते हैं, प्रस्तुत कर सकते हैं और उन्हें बेहतर बना सकते हैं। इससे रचनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलता है।

विशेष कार्यशालाएँ

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ जिनमें डिज़ाइन थिंकिंग, बिज़नेस योजना, संचार कौशल, नेतृत्व और डिजिटल कौशल पर ध्यान दिया जाता है।

उद्योग/ इनक्यूबेशन सेल भ्रमण

अनुभवात्मक सीखने के अवसर, जहाँ शिक्षार्थी स्टार्टअप, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का दौरा करते हैं।

तीन-स्तरीय नवाचार सहायता प्रणाली: SIC, ZIC, DIC

जिला नवाचार परिषद (DIC))
दिल्ली के किसी विशिष्ट जिले में शिक्षार्थियों के संभावनाशील विचारों को उन्नत मार्गदर्शन, अनुभवात्मक अवसर और विस्तार के अवसर प्रदान करती है।

क्षेत्रीय नवाचार परिषद (ZIC)
दिल्ली के एक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के बीच सहयोग, मार्गदर्शन और विचारों के परिष्कार को समर्थन प्रदान करती है।

विद्यालय नवाचार परिषद (SIC)
विद्यालय स्तर पर विचार-सृजन और नवाचार को प्रोत्साहित करती है।

पहचानो – प्रश्न करो – जोड़ो

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे किसी एक ऐसी समस्या की पहचान करें जो बार-बार होती है और उसके बारे में संक्षेप में लिखें।
- उन्हें मार्गदर्शन दें कि वे क्यों / कैसे (Why / How) से शुरू होने वाला एक स्पष्ट प्रश्न बनाएँ और उसे किसी मौजूदा व्यवस्था या सेवा से जोड़कर सोचें।
- शिक्षार्थियों को अपने विचार लिखने, इकोसिस्टम तालिका भरने और अगली कक्षा में साझा करने के लिए तैयार रहने को कहें।
- साथ ही शिक्षार्थियों को उद्यमिता के अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में खोज करने और अपनी जानकारी अगली कक्षा में लाने के लिए प्रेरित करें।

अपने उत्तर लिखिए।

प्रश्न 1. समस्या क्या है?

प्रश्न 2. यह समस्या किसे होती है और कितनी बार होती है?

उद्यमी की तरह सोचें

प्रश्न 1. अपना प्रश्न लिखिए (यह Why / How से शुरू होना चाहिए)

प्रश्न 2. इस समस्या को आसानी से या जल्दी कैसे हल किया जा सकता है?

प्रश्न 3. क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो ऐसी ही समस्या का समाधान करती है?

इकोसिस्टम तालिका (उदाहरण विचार) सिर्फ़ संदर्भ के लिए

इकोसिस्टम से जुड़ा व्यक्ति/समूह	वे कैसे मदद कर सकते हैं
• परिवार	• प्रोत्साहन और सुझाव दे सकते हैं।
• शिक्षक / मेंटर	• मार्गदर्शन और स्वीकृति दे सकते हैं।
• मौजूदा सेवाएँ	• समाधान लागू करने के लिए साधन या व्यवस्था प्रदान कर सकती हैं
• उपयोगकर्ता / विद्यार्थी	• विचारों को परख सकते हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

अपेक्षित सीख: *शिक्षार्थी यह समझते हैं कि दैनिक जीवन की समस्याएँ भी अवसर बन सकती हैं। वे यह भी सीखते हैं कि सही प्रश्न पूछना, उपलब्ध संसाधनों को जोड़ना और इकोसिस्टम के सहयोग का उपयोग करना किसी समाधान को सफल बनाने में बहुत महत्वपूर्ण होता है।*

अध्याय 02

उद्यमिता के पथ पर आगे बढ़ना

I2C1K4

कालांश : 5

यह अध्याय उद्यमिता को एक व्यावहारिक प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें अवसरों की पहचान करना और नए विचारों के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना शामिल है। शिक्षार्थी उद्यमिता के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानेंगे, जैसे सामाजिक उद्यम, तेजी से बढ़ने वाले स्टार्टअप, घर से चलने वाले उद्यम, हरित उद्यम और तकनीक आधारित उद्यम। Airbnb, Gmail और Zepto जैसे उदाहरणों के माध्यम से शिक्षार्थी यह समझेंगे कि नवाचार केवल स्वतंत्र रूप से ही नहीं बल्कि संगठनों के भीतर भी हो सकता है। इस अध्याय की गतिविधियाँ वास्तविक जीवन से जुड़ी होंगी और उनमें सोच-विचार तथा आत्म-चिंतन पर ध्यान दिया जाएगा। इससे शिक्षार्थियों को अपनी संभावित उद्यमी दिशा को समझने और 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- वास्तविक जीवन के उदाहरणों की सहायता से उद्यमिता के विभिन्न प्रकारों की पहचान और वर्गीकरण कर सकें।
- उद्यमी (Entrepreneur), अंत:उद्यमी (Intrapreneur), एकल उद्यमी (Solopreneur) और गृह – आधारित उद्यमी (Homepreneur) की भूमिकाओं के बीच अंतर समझ सकें।
- संगठनों के भीतर और स्वतंत्र उद्यमों में होने वाले नवाचार को समझ सकें।
- उद्यमिता से जुड़े कौशल और सोच के गुणों को पहचान सकें।
- अपनी रुचियों और क्षमताओं पर विचार कर यह समझ सकें कि उनके लिए कौन-सा उद्यमी मार्ग उपयुक्त हो सकता है।

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में शिक्षार्थियों ने

- अपने आसपास की समस्याओं और आवश्यकताओं को देखकर अवसरों की पहचान करना सीखा।
- एक उद्यमी की यात्रा में मेहनत, जोखिम और धैर्य के महत्व को समझा।
- अपनी क्षमता, कमज़ोरियाँ, अवसर और चुनौतियों को पहचानने के लिए SWOT विश्लेषण का अभ्यास किया।
- इन विषयों के माध्यम से उद्यमी सोच और आवश्यक सोच कौशल का प्रारंभिक विकास किया।

U2S4D6

औचित्य

यह अध्याय अनुभवात्मक सीखने पर जोर देता है और उद्यमिता को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों तथा समुदाय की आवश्यकताओं से जोड़ता है। यह शिक्षार्थियों को केवल सैद्धांतिक समझ से आगे बढ़कर व्यावहारिक समस्या-समाधान और नवाचार की ओर प्रेरित करता है।

उद्यमिता के विभिन्न मार्गों को समझते हुए शिक्षार्थी आत्म-जागरूकता, रचनात्मकता और नैतिक सोच विकसित करते हैं। इस अध्याय की गतिविधियाँ सहयोग, संवाद और निर्णय-निर्माण जैसे कौशलों को बढ़ावा देती हैं जिससे शिक्षार्थी भविष्य के करियर के लिए बेहतर रूप से तैयार होते हैं और यह क्षमता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों के अनुरूप भी है।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. कौशल आधारित और अनुभवात्मक सीखना	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	व्यावहारिक कौशल, आत्म-चिंतन, प्रयोग के साथ सीखना	अनुभवात्मक और क्षमता-आधारित शिक्षा
2. संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग	SDG 6 – स्वच्छ जल और स्वच्छता	नैतिक और टिकाऊ व्यवहार	21वीं सदी के जीवन कौशल पर ध्यान
3. उद्यमिता और करियर की तैयारी	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	उद्यमी सोच और रोजगार के अवसर	व्यावसायिक अनुभव और करियर जागरूकता
4. नवाचार और तकनीक का उपयोग	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	तकनीक आधारित विचार और समस्या-समाधान	समालोचनात्मक सोच और रचनात्मकता
4. समुदाय से जुड़ी समस्या-समाधान	SDG 11 – टिकाऊ समुदाय	स्थानीय समस्याओं के समाधान और नागरिक जिम्मेदारी	बहुविषयक और वास्तविक जीवन से जुड़ा सीखना

2.1 उद्यमिता के कार्यक्षेत्र

गतिविधि 1 पहचानें कौन है उद्यमी!

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे उद्यमियों की सूची को ध्यान से पढ़ें।
- प्रत्येक उद्यमी को उद्यमिता की सही श्रेणी से मिलाएँ।
- अपने चयन को कारण या उदाहरण के साथ समझाएँ।
- पूरी कक्षा के साथ उत्तरों पर चर्चा करें।

उद्यमी	उद्यमिता का कार्यक्षेत्र
रतन टाटा	सामाजिक
फाल्गुनी नायर	तकनीक / नवाचारी
रितेश अग्रवाल	हॉस्पिटैलिटी / ट्रैवल टेक
शाहीन मिस्त्री	कॉर्पोरेट / औद्योगिक
एलन मस्क	ई-कॉमर्स / तकनीक
शीतल मेहता	घर-आधारित

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपने प्रत्येक उद्यमी को उस विशेष उद्यमिता क्षेत्र से क्यों जोड़ा? अपने कारण संक्षेप में कारण बताएँ।

- *रतन टाटा – सामाजिक: सामाजिक पहल और परोपकार से जुड़े कार्य।*
- *फाल्गुनी नायर – टेक / नवाचारी: ऑनलाइन रिटेल प्लेटफ़ॉर्म Nykaa की स्थापना।*
- *रितेश अग्रवाल – हॉस्पिटैलिटी / ट्रैवल टेक: तकनीक आधारित होटल नेटवर्क OYO।*

- *शाहीन मिस्त्री – सामाजिक / संगठनात्मक: शिक्षा के क्षेत्र में बड़े स्तर पर प्रभाव।*
- *एलन मस्क – टेक / नवाचारी: तकनीक आधारित नए उद्यम।*
- *शीतल मेहता – घर-आधारित: घर से व्यवसाय संचालित करना।*

प्रश्न 2. EdTech क्षेत्र से जुड़े किसी भारतीय उद्यमी का नाम लिखें और उनकी श्रेणी बताइए।

गौरव मुंजाल – EdTech उद्यमी

प्रश्न 3. आपको क्यों लगता है कि वे उसी कार्यक्षेत्र से संबंध रखते हैं?

उन्होंने Unacademy नामक एक ऑनलाइन शिक्षण मंच की सह-स्थापना की जो तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा और परीक्षा की तैयारी उपलब्ध कराता है।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवसर की पहचान, वर्गीकरण करने की क्षमता,तर्क और कारण बताना,संवाद कौशल

समीक्षा

इस गतिविधि के माध्यम से चर्चा करें कि अलग-अलग उद्यमी अलग प्रकार की समस्याओं का समाधान करते हैं। इससे यह समझ आता है कि उद्यमिता के कई अलग-अलग मार्ग हो सकते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

शिक्षार्थियों को केवल श्रेणियाँ याद करने पर ज़ोर देने के बजाय यह समझाने में मदद करें कि प्रत्येक क्षेत्र का उद्देश्य और प्रभाव क्या है। शिक्षार्थियों को अपने आसपास या दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरण साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

केस स्टोरी 1 ब्रायन चेस्की और एयरबीएनबी (Airbnb)

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे केस स्टोरी को पहले स्वयं पढ़ें।
- उनसे कहें कि वे उस अवसर की पहचान करें जिसे उद्यमी ने पहचाना और किन चुनौतियों का सामना किया।
- चिंतन प्रश्नों पर जोड़ी में चर्चा करवाएँ और फिर कुछ शिक्षार्थियों को अपने उत्तर कक्षा के साथ साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सैन फ्रांसिस्को में डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्रायन चेस्की और उनके दोस्तों ने किस अवसर को पहचाना?

उन्होंने देखा कि कॉन्फ्रेंस के समय होटलों में जगह कम पड़ रही थी इसलिए उन्होंने अपने अपार्टमेंट में अस्थायी ठहरने की सुविधा देने का विचार किया।

प्रश्न 2. शुरुआती दिनों में Airbnb के लिए ''विश्वास ' एक बड़ी चुनौती क्यों थी?

लोगों को सुरक्षा, भरोसे और भुगतान से जुड़े जोखिमों की चिंता थी इसलिए भरोसे की कमी के कारण लोग इस सेवा का उपयोग करने में हिचकते थे।

प्रश्न 3. उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और भरोसेमंद महसूस कराने के लिए Airbnb द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों के बारे में बताएँ।

Airbnb ने भरोसा बढ़ाने के लिए सत्यापित प्रोफाइल, सुरक्षित भुगतान व्यवस्था और समीक्षा/रेटिंग प्रणाली शुरू की।

प्रश्न 4. नया व्यवसाय शुरू करने के बारे में यह केस स्टोरी हमें क्या महत्वपूर्ण सीख देती हैं?

एक सफल व्यवसाय के लिए केवल अच्छा विचार ही नहीं बल्कि उपयोगकर्ताओं का भरोसा, सुरक्षा और ग्राहकों की चिंताओं को समझना भी बहुत आवश्यक है।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रचनात्मकता, नवाचार, विश्वास निर्माण,समस्या-समाधान

समीक्षा

इस उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि नवाचार अक्सर साधारण अवलोकन से शुरू होता है और उसे सफल बनाने के लिए भरोसा बनाना बहुत महत्वपूर्ण होता है।

उद्यमिता खोज यात्रा

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे किसी एक प्रसिद्ध उद्यमी या व्यवसाय का चयन करें।
- उन्हें निर्देश दें कि वे उस उदाहरण को उद्यमिता के सही क्षेत्र से जोड़ें।
- फिर उनसे कहें कि वे तालिका को स्पष्ट और सोच-समझकर उत्तरों के साथ पूरा करें।

संकेतात्मक उत्तर

- **उद्यमी / व्यवसाय का नाम:** Zomato या कोई अन्य उदाहरण
- **समस्या का समाधान / दी जाने वाली सेवा:** Zomato लोगों को पास के रेस्तराँ से आसानी से खाना ऑर्डर करने और उसे जल्दी घर तक पहुँचाने में मदद करता है।
- **उद्यमिता का प्रकार (सबसे उपयुक्त):** टेकप्रेन्योर / तेजी से बढ़ने वाला स्टार्टअप

तालिका के संभावित उत्तर

प्रश्न 1. आपके उदाहरण के लिए कौन-सा क्षेत्र सबसे उपयुक्त है?

टेकप्रेन्योर (साथ ही एक स्केलेबल स्टार्टअप)।

प्रश्न 2. अपने चयन का एक कारण बताइए।

Zomato मोबाइल ऐप और तकनीक का उपयोग करके ग्राहकों, रेस्तराँ और डिलीवरी पार्टनरों को जोड़ता है और यह कई शहरों तक फैल चुका है।

प्रश्न 3. इस व्यवसाय से किसे लाभ मिलता है?

ग्राहकों को आसानी से खाना मिल जाता है, रेस्तराँ को अधिक ऑर्डर मिलते हैं और डिलीवरी पार्टनरों को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

प्रश्न 4. यदि आप इस व्यवसाय को चला रहे होते, तो आप कौन-सा एक सुधार या नया विचार जोड़ते?

मैं पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग के विकल्प जोड़ता और रेस्तराँ को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रोत्साहित करता।

वाक्य पूर्ण करें

मेरे विचार में,"उद्यमिता केवल पैसा कमाने के बारे में नहीं है; यह समस्याओं का समाधान करने, मूल्य पैदा करने और लोगों के जीवन को आसान बनाने के बारे में भी है।"

2.2 उद्यमी बनाम अंत: उद्यमी (Entrepreneur Vs. Intrapreneur)

गतिविधि 2 कंपनी के भीतर नए विचार

निर्देश

- फैसिलिटेटर कक्षा के सामने स्थिति (Scenario) प्रस्तुत करें।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे स्वतंत्र रूप से सोचें और अपने विचार लिखें।
- इसके बाद जोड़ी में चर्चा कर अपने समाधान को और बेहतर बनाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कंपनी के नियमों का पालन करते हुए आप अपने विचार (आइडिया)

मांग का अध्ययन करेंगे, एक प्रस्ताव तैयार करेंगे और अपने विचार को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करेंगे।

प्रश्न 2. कंपनी के अंदर अपने विचार को एक असली उत्पाद (प्रोडक्ट) में बदलने के लिए आप कौन-से कदम उठाएंगे?

परीक्षण करेंगे, प्रयोग करेंगे, लोगों से प्रतिक्रिया लेंगे और लॉन्च से पहले उसमें सुधार करेंगे।

प्रश्न 3. इस प्रक्रिया में कंपनी के भीतर कौन आपकी मदद कर सकता है और कैसे?

प्रबंधक और टीम के सदस्य स्वीकृति देने, परीक्षण करने और प्रचार में मदद कर सकते हैं।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

इंट्राप्रेन्योरियल सोच, टीमवर्क,योजना बनाना, संवाद कौशल

समीक्षा

शिक्षार्थियों को समझाएँ कि नवाचार केवल नए व्यवसाय शुरू करने से ही नहीं होता बल्कि संगठनों के भीतर भी नए विचार विकसित किए जा सकते हैं।

केस स्टोरी 2 जीमेल (गूगल ईमेल) की कहानी

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ें।
- उनसे कहें कि वे चिंतन प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से लिखें।
- इसके बाद समूह चर्चा कराएँ और कहानी को अंतःउद्यमी की अवधारणा से जोड़कर समझाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. गूगल की "20% टाइम " पॉलिसी ने पॉल बुचेइट की मदद कैसे की?

इस नीति ने उन्हें कंपनी के भीतर प्रयोग करने और Gmail बनाने की स्वतंत्रता दी।

प्रश्न 2. पुराने ईमेल के मुकाबले जीमेल ने उपयोगकर्ताओं की कौन-सी समस्या हल की?

इसमें अधिक स्टोरेज, तेज़ सर्च सुविधा और पुराने ईमेल तक आसान पहुँच मिली।

प्रश्न 3. अंतःउद्यमिता से कर्मचारियों और संस्था दोनों को क्या लाभ होता है?

यह कर्मचारियों को रचनात्मक बनने और नए कौशल विकसित करने का अवसर देता है और कंपनी को नवाचार तथा प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने में मदद करता है।

उद्यमिता के कार्यक्षेत्रों को समझना

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे दो भारतीय उद्यमियों के बारे में जानकारी जुटाएँ—एक दिल्ली से और एक किसी अन्य राज्य से।
- उन्हें मार्गदर्शन दें कि वे उद्यमिता के क्षेत्र की पहचान करें और प्रत्येक व्यवसाय के बारे में मूल जानकारी लिखें।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे अपने निष्कर्षों के आधार पर तुलना तालिका भरें।
- उन्हें यह भी सोचने के लिए प्रोत्साहित करें कि उनकी अपनी रुचियों और कौशल के अनुसार उद्यमिता का कौन-सा क्षेत्र उनके लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है।

तुलना तालिका

तुलना के बिंदु	दिल्ली के उद्यमी	अन्य राज्य के उद्यमी
a. नाम	रितेश अग्रवाल	फाल्गुनी नायर
b. व्यवसाय	OYO Rooms	Nykaa
c. प्रकार	स्केलेबल / टेक स्टार्टअप	नवाचारी / टेक आधारित
d. प्रभाव का क्षेत्र	हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल	ब्यूटी और वेलनेस
e. प्रमुख क्षमता	तकनीक के माध्यम से तेज़ विकास	ग्राहकों का भरोसा और नवाचार

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रचनात्मक सोच,प्रयोग करने की क्षमता,पहल करने की भावना

समीक्षा

चर्चा करें कि जब किसी संगठन में नए विचारों को आज़माने की स्वतंत्रता मिलती है तो नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

2.3 उद्यमिता कौशल और अपना मार्ग चुनना

गतिविधि 3 मैं कौन हूँ?

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे दिए गए संकेतों को पढ़ें और सही उद्यमी भूमिका की पहचान करें।
- सहपाठियों के साथ उत्तरों की तुलना करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- जब शिक्षार्थी तालिका भर लें, तो उसके बाद चिंतन आधारित चर्चा करवाएँ।

संकेतात्मक उत्तर

1. मैंने अपने विचार और दृष्टि के आधार पर एक व्यवसाय शुरू किया है। - **उद्यमी (Entrepreneur)**
2. मैं घर से डिजिटल साधनों का उपयोग करके या अपने आसपास के ग्राहकों को सेवा देकर काम करता/करती हूँ। -**गृह-आधारित उद्यमी (Homepreneur)**
3. मैं अपना व्यवसाय अकेले चलाता/चलाती हूँ, बिना किसी साझेदार या कर्मचारी के। - **एकल उद्यमी (Solopreneur)**
4. मैं किसी मौजूदा कंपनी में काम करते हुए नए विचार और सुधार लाता/लाती हूँ। - **अंतःउद्यमी (Intrapreneur)**

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आप अपने अंदर कौन-सा उद्यमी कौशल पहचानते हैं?

स्वयं की समझ, विश्लेषणात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता या अन्य कोई कौशल।

प्रश्न 2. प्रत्येक प्रकार के लिए कौन-कौन से प्रमुख उद्यमशील कौशल आवश्यक हैं?

एकल उद्यमी / सोलोप्रेन्योर: स्वतंत्रता, जोखिम लेने की क्षमता, आत्म-अनुशासन

(स्वतंत्रता अधिक होती है लेकिन जोखिम और काम का बोझ भी अधिक हो सकता है।)

गृह- आधारित उद्यमी / होमप्रेन्योर: टीमवर्क, भरोसा, संवाद कौशल

(जिम्मेदारी साझा होती है लेकिन कभी-कभी मतभेद भी हो सकते हैं।)

अंतःउद्यमी / इंट्राप्रेन्योर: रचनात्मकता, नवाचार, सहयोग

(कंपनी का सहयोग मिलता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता सीमित हो सकती है।)

प्रश्न 3. आपको क्या लगता है कि आपकी क्षमताओं और व्यक्तित्व के अनुसार कौन-सा प्रकार उपयुक्त है?

यह आपकी रुचियों, रचनात्मकता, टीमवर्क की क्षमता, आत्मविश्वास और जोखिम लेने की तैयारी पर निर्भर करता है।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

स्वयं की समझ (Self-awareness),विश्लेषणात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता,करियर के प्रति जागरूकता

समीक्षा

प्रत्येक व्यक्ति का स्वभाव और क्षमता अलग होती है। इसलिए अलग-अलग व्यक्तित्व के लिए अलग-अलग उद्यमी भूमिकाएँ उपयुक्त होती हैं। अपनी क्षमता को समझना सही मार्ग चुनने में मदद करता है।

गतिविधि 4 एक अंतःउद्यमी की तरह सोचना (संवाद)

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे संवाद को पढ़ें और उसकी स्थिति को समझें।
- संक्षेप में अंतःउद्यमिता की अवधारणा समझाएँ।
- सुनिश्चित करें कि शिक्षार्थी चिंतन प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से लिखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. विद्यालय की समस्या की पहचान करते समय खुशी और अर्जुन ने कौन-सा इंट्राप्रेन्योरियल/अंतःउद्यमी कौशल दिखाया?

पानी के नल के पास भीड़, लीकेज और पानी की बर्बादी जैसी समस्याओं को पहचाना।

प्रश्न 2. परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने कौन-से समाधान सुझाए?

संकेत बोर्ड लगाना, लीकेज की मरम्मत कराना और अलग-अलग समय पर ब्रेक की व्यवस्था करना।

प्रश्न 3. कौन-से इंट्राप्रेन्योरियल कौशल उनकी कार्रवाई को इंट्राप्रेन्योरशिप का उदाहरण बनाते हैं?

उन्होंने मौजूदा व्यवस्था के भीतर रहते हुए समस्या का समाधान खोजने की कोशिश की।

प्रश्न 4. अपने स्कूल की किसी एक समस्या के बारे में सोचिए। उसे हल करने के लिए आप कौन-सा सरल विचार सुझाएँगे?

कागज़ की बर्बादी → रीसाइक्लिंग बिन लगाना और कागज़ का दोबारा उपयोग करना।

Zepto -तेज़ी और तकनीक के द्वारा नए रूप में बदलाव लाना

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे केस स्टोरी पढ़ें और चिंतन प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखें।
- उन्हें यह सोचने के लिए मार्गदर्शन दें कि कौन-सी समस्या पहचानी गई, क्या समाधान दिया गया और इसमें तकनीक की क्या भूमिका रही।
- उनसे कहें कि वे यह कार्य अगली NEEEV कक्षा में लेकर आएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किराने के सामान की खरीदारी से जुड़ी वह कौन सी दैनिक समस्या थी, जिसे Zepto ने पहचाना?

आवश्यक किराने का सामान समय पर न मिल पाना या देर से डिलीवरी होना।

प्रश्न 2. Zepto ने इस समस्या को सुलझाने के लिए तकनीकी और स्थानीय मूलभूत ढांचे का प्रयोग कैसे किया ?

मोबाइल ऐप, डार्क स्टोर्स और तेज़ लॉजिस्टिक्स का उपयोग किया।

(डार्क स्टोर्स छोटे गोदाम जैसे स्थान होते हैं जहाँ केवल ऑनलाइन ऑर्डर पैक और डिलीवर किए जाते हैं। वहाँ ग्राहक सीधे खरीदारी करने नहीं जाते।)

प्रश्न 3. आजकल की सर्विस में तेज़ रफ्तार इतनी आवश्यक क्यों हैं?

इससे सुविधा बढ़ती है और समय की बचत होती है।

प्रश्न 4. Zepto के संस्थापकों में आपको कौन-से उद्यमी गुण दिखाई देते हैं?

नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और ग्राहक की आवश्यकताओं पर ध्यान।

प्रश्न 5. क्या आप अपने आस-पास की कोई ऐसी समस्या बता सकते हैं, जिसे किसी तेज़ या स्मार्ट सर्विस से सुलझाया जा सके?

स्थानीय सेवाओं में देरी (उदाहरण अलग-अलग हो सकते हैं)।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवलोकन की क्षमता, समस्या-समाधान, सहयोग

समीक्षा

चर्चा करें कि छोटे-छोटे सुधार भी बड़े प्रभाव पैदा कर सकते हैं और लोगों के जीवन को आसान बना सकते हैं।

अध्याय 03

आजीवन सीखने की आदत विकसित करना

H7J7J4

कालांश : 4

यह अध्याय शिक्षार्थियों को यह समझाता है कि सीखना केवल कक्षा और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक निरंतर चलने वाली आजीवन प्रक्रिया है। चिंतन, चर्चा, गतिविधियों, छोटे केस उदाहरणों और व्यावहारिक कार्यों के माध्यम से शिक्षार्थी यह जानेंगे कि ज्ञान केवल किताबों से ही नहीं बल्कि अनुभवों, मार्गदर्शकों, समुदाय और डिजिटल साधनों से भी विकसित होता है। यह अध्याय Growth Mindset, आत्म-जागरूकता, धैर्य और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता को बढ़ावा देता है। साथ ही यह तकनीक के जिम्मेदार उपयोग के लिए भी प्रेरित करता है। सहयोग और आत्म-चिंतन पर आधारित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षार्थी अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं, सुधार के क्षेत्रों को समझते हैं और लगातार सीखते रहने तथा लक्ष्य तय करने की रणनीतियाँ विकसित करते हैं। यह सीखना शैक्षणिक, व्यक्तिगत और उद्यमिता से जुड़े संदर्भों में उपयोगी होता है।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- आजीवन सीखने की अवधारणा और उसके महत्व को समझ सकें।
- अपने व्यक्तिगत विकास के क्षेत्रों, मार्गदर्शकों (मेंटर्स) और सीखने वाले समुदायों की पहचान कर सकें।
- अपने सीखने के अनुभवों पर विचार करके अलग-अलग सीखने की शैलियों को समझ सकें।
- साथियों और डिजिटल साधनों की मदद से एक सरल डिजिटल लर्निंग टूलबॉक्स तैयार कर सकें।

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में शिक्षार्थियों ने

W7X5N3

- अपने आसपास की समस्याओं, ज़रूरतों और कमियों को देखकर अवसरों की पहचान करना सीखा।
- उद्यमिता की यात्रा में मेहनत, जोखिम लेने, धैर्य और Growth Mindset के महत्व को समझा।
- SWOT जैसे उपकरणों के माध्यम से आत्म-जागरूकता, आत्म-चिंतन और अपनी क्षमता व कमज़ोरियों का विश्लेषण करने का अभ्यास किया।
- विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं के माध्यम से डिजिटल साक्षरता, टीमवर्क और सहयोग के कौशल विकसित किए।

औचित्य

यह अध्याय फैसिलिटेटर को शिक्षार्थियों में आजीवन सीखने की समझ विकसित करने में सहायता करता है जो आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में एक महत्वपूर्ण क्षमता है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को दैनिक जीवन के अनुभवों, मार्गदर्शकों और डिजिटल प्लेटफॉर्म को ज्ञान के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है। Growth Mindset, धैर्य और स्वयं सीखने की क्षमता पर ध्यान देकर यह अध्याय विद्यार्थियों को अपने विकास की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करता है। NEP 2020 और 21वीं सदी के कौशलों के अनुरूप, यह अध्याय संचालकों को ऐसी संरचित गतिविधियाँ और चर्चाएँ प्रदान करता है जो जिज्ञासा, अनुकूलन क्षमता और निरंतर सुधार की आदत को विकसित करती हैं। ये गुण शैक्षणिक सफलता, उद्यमिता और भविष्य के करियर के लिए बहुत आवश्यक हैं।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. **आजीवन सीखना**	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	आत्म-चिंतन और निरंतर सीखना	अनुभवात्मक सीखना
2. **डिजिटल साक्षरता**	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	डिजिटल साधनों और प्लेटफॉर्म का उपयोग	तकनीक और 21वीं सदी के कौशल
3. **व्यक्तिगत विकास**	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	धैर्य और करियर से जुड़े कौशल	व्यावसायिक तैयारी
4. **मार्गदर्शन और समुदाय**	SDG 11 – टिकाऊ समुदाय	साथियों से सीखना और सहयोग	सहयोगात्मक सीखना
5. **चिंतन आधारित सीखना**	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	जानकारी का नैतिक उपयोग	समालोचनात्मक और नैतिक सोच

3.1 सीखना जो कभी नहीं रुकता

गतिविधि 1 इस सप्ताह आपने क्या सीखा ?

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे विद्यालय के बाहर हाल ही में सीखी गई किसी नई चीज़ को याद करें।
- यह समझाएँ कि सीखना केवल विद्यालय में ही नहीं बल्कि घर पर, ऑनलाइन, दोस्तों के साथ या स्वयं खोज करने से भी होता है।
- उनसे कहें कि वे अपने उत्तर मैनुअल में लिखें और जोड़ी में चर्चा करें।
- चर्चा के दौरान एक-दूसरे को ध्यान से और सम्मानपूर्वक सुनने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षार्थियों के साथ साझा करने के उदाहरण

- *कोई नई रेसिपी सीखना*
- *वीडियो एडिट करना*
- *मोबाइल का नया शॉर्टकट जानना*
- *घर में किसी चीज़ को ठीक करना*
- *बेसिक कोडिंग सीखना*
- *चित्र बनाना या कोई नया खेल कौशल सीखना*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. क्या यह नया कौशल सीखना आसान था या कठिन था? क्यों?

प्रश्न2. यह कौशल सीखने के बाद आपको कैसा महसूस हुआ?

प्रश्न3. इसे अचछे से सीखने में किस चीज़ ने आपकी मदद की?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

जिज्ञासा, आत्म-चिंतन,पहल करने की क्षमता,संवाद कौशल,ग्रोथ माइंडसेट

समीक्षा

यह समझाएँ कि दैनिक जीवन के अनुभव भी सीखने का हिस्सा होते हैं। अभ्यास, आत्म-चिंतन और लगातार सुधार से सीखने और उद्यमी कौशल दोनों विकसित होते हैं।

गतिविधि 2 विकासशील मानसिकता मानचित्र (Growth Mindset Map)

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे चिंतन बॉक्स को ईमानदारी से भरें।
- उन्हें याद दिलाएँ कि यहाँ सही या गलत उत्तर नहीं होते।
- जोड़ी में साझा करने की गतिविधि कराएँ और सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करें।
- उनसे कहें कि वे एक छोटा सुधार कदम भी लिखें।
- अंत में सीखने और निरंतर विकास पर ध्यान केंद्रित करें।

पूरा करने के लिए बॉक्स (ये प्रश्न व्यक्तिगत रुचियों और प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न उत्तर हो सकते हैं)

तालिका में लिखने के लिए संभावित उदाहरण

- *प्रतिदिन 15 मिनट अभ्यास करना*
- *एक सीखने वाला वीडियो देखना*
- *शिक्षक या मित्र से मदद लेना*
- *गलती होने पर दोबारा कोशिश करना*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आप इस वर्ष कौन-सा नया कौशल सीखना चाहते हैं और क्यों?

प्रश्न 2. सोचिए कि आप सबसे अच्छी तरह कैसे सीखते हैं—लोगों से, वीडियो से, उदाहरण से या अभ्यास से?

प्रश्न 3. आप पहले से कौन-सा उद्यमी कौशल उपयोग करते हैं?

समस्या समाधान, रचनात्मकता, संप्रेषण कौशल, जिम्मेदारी लेना, टीम में कार्य करना

फैसिलिटेटर का समापन संदेश

“प्रत्येक व्यक्ति की अपनी क्षमता, रुचियाँ और सुधार के क्षेत्र होते हैं। ग्रोथ माइंडसेट के साथ, मेहनत और अभ्यास हमें आगे बढ़ने में मदद करते हैं। लगातार छोटे-छोटे कदम उठाने से बड़े बदलाव संभव होते हैं।”

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

आत्म-जागरूकता,ग्रोथ माइंडसेट,लक्ष्य तय करना, जिम्मेदारी

समीक्षा

लगातार छोटे प्रयास और आत्म-चिंतन, सीखने और सुधार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं।

संक्षिप्त केस अंश

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को साप्ताहिक कार्य का उद्देश्य संक्षेप में समझाएँ।
- उन्हें बताएं कि केस उदाहरणों को ध्यान से पढ़ें और उनमें दिखाई देने वाली सीखने की आदतों पर ध्यान दें।
- शिक्षार्थियों को याद दिलाएँ कि यह कार्य स्वयं पूरा करें और निर्धारित तरीके से जमा करें।

मिनी-पोस्टर बनाना

“शिक्षार्थियों से कहें कि वे दिए गए उदाहरणों में से किसी एक व्यक्ति को चुनें और यह दिखाते हुए एक छोटा पोस्टर बनाएँ कि वह व्यक्ति एक अच्छा सीखने वाला क्यों है।

पोस्टर में शामिल होना चाहिए

- उस व्यक्ति का नाम और एक पंक्ति—वे क्यों प्रेरित करते हैं।
- उनके सीखने के तरीके को बताने वाले 3–4 मुख्य शब्द।
- कहानी से सीखी गई एक प्रेरक पंक्ति या संदेश।

अनवेषणात्मक कार्य

शिक्षार्थियों से कहें कि वे कुछ मुफ्त डिजिटल लर्निंग टूल्स के बारे में जानकारी खोजें और अपने निष्कर्ष अगली कक्षा में साझा करें।

3.2 – साथ सीखें, साथ बढ़ें

गतिविधि 3 कक्षा से परे सीखना

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे ऐसे एक व्यक्ति की पहचान करें जिसने उनके सीखने पर सकारात्मक प्रभाव डाला हो।
- यह सुनिश्चित करें कि उनका चुनाव व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण हो (सिर्फ किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का नाम न हो)।
- उस व्यक्ति की विशेषताओं और उनसे सीखी गई बातों पर विचार करने के लिए प्रेरित करें।
- अंत में चर्चा को उद्यमी गुणों और सोच के विकास से जोड़ें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके सीखने पर सबसे अधिक प्रभाव किसका पड़ा है?

प्रश्न 2. इस व्यक्ति से प्रभावित होकर आपने कौन-सा कौशल, आदत या मूल्य विकसित किया?

प्रश्न 3. इस सीख से आपकी पढ़ाई या दैनिक जीवन में किस प्रकार मदद की है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

पहल करने की क्षमता, स्वयं सीखने की आदत, डिजिटल साक्षरता, समालोचनात्मक सोच, अनुकूलन क्षमता, समय प्रबंधन और जिम्मेदारी।

समीक्षा

यह गतिविधि बताती है कि उद्यमी हमेशा सीखते रहने वाले लोग होते हैं। वे उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग करते हैं, अपने विकास पर विचार करते हैं और सीख को वास्तविक जीवन में जिम्मेदारी से लागू करते हैं।

गतिविधि 4 अपना डिजिटल लर्निंग टूलबॉक्स तैयार करें

निर्देश

- शिक्षार्थियों को छोटे-छोटे सहयोगी समूहों में बाँटें।
- डिजिटल सीखने की आदतों और सही टूल चुनने पर चर्चा करवाएँ।
- समूहों को मिलकर टूलबॉक्स तालिका भरने के लिए कहें।
- तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के उदाहरण साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- समूहों के बीच विचार साझा करने और चर्चा का अवसर दें।

टूल का नाम	इसका उपयोग किस लिए होता है	उदाहरण	जिम्मेदार उपयोग
YouTube	विषय समझने के लिए	विज्ञान प्रयोग का वीडियो	ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बचें, केवल शैक्षिक चैनल देखें
Google Docs	असाइनमेंट और सहयोग के लिए	समूह प्रोजेक्ट लिखना	सामग्री कॉपी न करें, ईमानदारी से काम करें
Swayamprabha	विषय सीखने और पुनरावृत्ति के लिए	किसी विषय का लेक्चर देखना	समय का पालन करें और ध्यान केंद्रित रखें

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपको कौन-सा डिजिटल टूल सबसे उपयोगी लगा और क्यों?
गूगल क्लासरूम – सीखने और असाइनमेंट को आसानी से व्यवस्थित करता है।

प्रश्न 2. इन टूल्स के बारे में सीखने से आपको यह समझने में कैसे मदद मिली कि तकनीक का उपयोग मनोरंजन और सीखने के लिए अलग-अलग तरीके से किया जा सकता है?

प्रश्न 3. एक सुरशक्त और शजममेर्यार शिशजटल सीखने वयालया बनने के शलए आिा क्या कर सकते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

धैर्य, जिम्मेदार डिजिटल उपयोग, लक्ष्य तय करना, योजना बनाना और ग्रोथ माइंडसेट।

समीक्षा

कभी-कभी आने वाली कठिनाइयाँ हमें मजबूत बनाती हैं। उन पर विचार करने से हम सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं - ठीक उसी तरह जैसे उद्यमी करते हैं।

लोगो (logo) और डिजिटल टूल्स से सीखें

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- किसी मार्गदर्शक (जैसे शिक्षक, माता-पिता, कोच आदि) से 15–20 मिनट बातचीत करें और उनसे सीखी गई एक बात, उनकी संवाद शैली और एक सलाह नोट करें जिसे आप अपने जीवन में लागू कर सकें।
- संक्षेप में लिखकर सोचें कि आपने क्या सीखा और यह आपकी सीखने की आदतों को कैसे बेहतर बना सकता है।
- किसी एक मुफ्त डिजिटल लर्निंग टूल (जैसे NCERT, e-Pathshala, DIKSHA, SWAYAM Prabha, Google Tools आदि) को 20–30 मिनट तक प्रयोग करें और उससे एक छोटा सीखने का कार्य पूरा करें।
- उस टूल की एक विशेषता लिखें, उसने आपको कैसे मदद की और सुरक्षित व जिम्मेदार डिजिटल उपयोग के लिए एक सुझाव भी लिखें।

संकेतात्मक उत्तर

कार्य 1 : मार्गदर्शक से सीखना	**कार्य 2 : डिजिटल टूल से सीखना**
सीखा गया कौशल / आदत / पाठ: समय प्रबंधन **वे आपको कैसे समझाते या प्रेरित करते हैं:** वे शांत तरीके से समझाते हैं और मुझे प्रोत्साहित करते हैं। **मिली हुई एक सलाह:** हर दिन थोड़ा अभ्यास करो।	**उपयोग की गई विशेषता:** वीडियो ट्यूटोरियल / टेम्पलेट / अभ्यास प्रश्न **इसने आपको कैसे मदद की:** इससे सीखना आसान और स्पष्ट हो गया। **जिम्मेदार उपयोग के लिए एक सुझाव:** ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बचें और समय का सही प्रबंधन करें।

3.3 लचीलापन-दोबारा उठ खड़े होने को सीखना

गतिविधि 5 अधूरे लक्ष्यों से सीखना

निर्देश

- शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करें कि वे ईमानदारी से किसी ऐसे लक्ष्य के बारे में सोचें जो वे हासिल नहीं कर पाए।
- उनसे कहें कि वे उससे मिली सीख को छोटे-छोटे बिंदुओं में लिखें।
- जोड़ी में साझा करने की गतिविधि कराएँ और एक-दूसरे को सम्मानपूर्वक सुनने के नियमों का ध्यान रखें।
- यह समझाएँ कि गलतियों से सीखना और ग्रोथ माइंडसेट बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. जब आप अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए, तब आपको कैसा लगा?

प्रश्न 2. आगे बढ़ने या दोबारा कोशिश करने में किस चीज़ ने मदद की?

प्रश्न 3. अगली बार आप क्या अलग करेंगे?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

धैर्य, आत्म-चिंतन, लक्ष्य तय करना, निरंतर प्रयास, समय प्रबंधन और ग्रोथ माइंडसेट।

समीक्षा

लक्ष्य प्राप्त न कर पाना भी सीखने का अवसर बन सकता है। इससे धैर्य मजबूत होता है और शिक्षार्थी वास्तविक उद्यमी चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं।

गतिविधि 6 असफलता से सीख

निर्देश

- शिक्षार्थियों को प्रत्येक कहानी ध्यान से पढ़ने के लिए मार्गदर्शन दें।
- कठिनाइयों और उनसे मिली सीख पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करें।
- शिक्षार्थियों को चिंतन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में देने के लिए कहें।
- यह स्पष्ट करें कि धैर्य, लगातार प्रयास और परिस्थितियों के अनुसार बदलने की क्षमता इस गतिविधि के मुख्य सीखने के परिणाम हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. स्टीव जॉब्स ने अपनी असफलता को विकास के अवसर में कैसे बदला?

प्रश्न 2. किरण मजूमदार-शॉ को अस्वीकृति से उबरने में किन गुणों ने मदद की?

प्रश्न 3. असफलताओं से सीखने से OYO को सफलता पाने में कैसे मदद मिली?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

धैर्य, परिस्थितियों के अनुसार बदलने की क्षमता, निरंतर प्रयास, असफलता से सीखना और रणनीतिक सोच।।

समीक्षा

जब हम असफलताओं पर विचार करते हैं और उनसे सुधार करते हैं तो वही असफलताएँ आगे चलकर दीर्घकालीन सफलता की सीढ़ियाँ बन जाती हैं।

चुनौतियों को पार कर फिर से उठ खड़े होना

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे हाल ही में आई किसी चुनौती या कठिनाई के बारे में सोचें।
- उनसे कहें कि वे अपनी भावनाएँ, मिली हुई सीख और आगे की योजना लिखें।
- उन्हें अपना एक व्यक्तिगत प्रेरक वाक्य (Resilience Mantra) बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह स्पष्ट करें कि यह गतिविधि मूल्यांकन के लिए नहीं, बल्कि व्यक्तिगत विकास के लिए है।
- शिक्षार्थियों से कहें कि वे यह कार्य अगली कक्षा में लेकर आएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न	संकेतात्मक उत्तर
क्या हुआ?	
आपने कैसे प्रतिक्रिया दी?	
अगली बार आप क्या बदलेंगे?	
आपका प्रेरक वाक्य	

अध्याय 04

ब्रांड निर्माण और कहानी सुनाना

K7H2V1

कालांश : 4

यह अध्याय शिक्षार्थियों को इस विचार से परिचित कराता है कि सीखना एक सतत, आजीवन प्रक्रिया है, जो केवल कक्षाओं और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। आत्म-मूल्यांकन, चर्चा, गतिविधियों, केस स्निपेट्स और व्यावहारिक कार्यों के माध्यम से, शिक्षार्थी यह पता लगाते हैं कि अनुभवों, मेंटर्स, समुदायों और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से ज्ञान कैसे विकसित होता है। यह अध्याय विकासशील मानसिकता (Growth Mindset), आत्म-जागरूकता, सहनशीलता और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देता है, साथ ही प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार उपयोग को भी प्रोत्साहित करता है। सहयोगात्मक और चिंतनशील अभ्यासों में भाग लेकर, शिक्षार्थी अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचानते हैं, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करते हैं और शैक्षणिक, व्यक्तिगत और उद्यमशीलता संदर्भों में निरंतर सीखने और लक्ष्य निर्धारण के लिए रणनीतियाँ विकसित करते हैं।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- समझ सकें कि ब्रांडिंग किस प्रकार किसी व्यवसाय को पहचान प्रदान करती है तथा पहचान और विश्वास का निर्माण करती है।
- ब्रांड के मूल तत्त्व जैसे नाम, लोगो (logo), टैगलाइन और मूल्य (value) निर्माण कर सकें।
- ब्रांडिंग और कहानी सुनाने के बीच अंतर को समझ सकें तथा प्रभावी ब्रांड कहानियों के प्रमुख तत्त्वों की पहचान कर सकें।
- ब्रांड मूल्यों के आधार पर किसी ब्रांड के लिए सरल, प्रामाणिक और संरचित कथा तैयार कर सकें।

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में शिक्षार्थियों ने

- रचनात्मकता, मूल्यों और संप्रेषण के माध्यम से विचारों का विकास किया।
- ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझा तथा समस्या-समाधान की रणनीतियों का उपयोग किया।
- कहानी सुनाने के माध्यम से विचारों और अनुभवों को साझा करने का अभ्यास किया।
- श्रोताओं से जुड़ने के लिए डिजिटल और संप्रेषण कौशलों का विकास किया।

M6T5G4

औचित्य

ब्रांड केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं होते; वे मूल्यों को व्यक्त करते हैं, विश्वास स्थापित करते हैं और ग्राहकों के साथ भावनात्मक संबंध बनाते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता करता है कि किसी ब्रांड के निर्माण में पहचान, कहानी और उद्देश्य की कितनी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ब्रांड तत्त्वों और कहानियों के निर्माण की प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षार्थी रचनात्मकता, समानुभूति और उद्यमशील सोच का विकास करते हैं। इससे वे अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में सामाजिक रूप से उत्तरदायी निर्णय लेने के लिए तैयार होते हैं।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	SDG सतत विकास लक्ष्य	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. **ब्रांडिंग एवं संप्रेषण**	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	संप्रेषण और रचनात्मकता का विकास	अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)
2. **उद्देश्य-प्रेरित उद्यमिता**	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	मूल्य-आधारित व्यवसाय को प्रोत्साहन	उद्यमशील मानसिकता का विकास
3. **रचनात्मकता एवं कहानी-कथन**	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	नवाचार और कथात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन	आलोचनात्मक चिंतन का विकास
4. **नैतिक ब्रांडिंग**	SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन	ज़िम्मेदार संदेशों को बढ़ावा	और नैतिक शिक्षा
5. **सामुदायिक प्रभाव**	SDG 11 – टिकाऊ समुदाय	सामाजिक प्रभाव वाले ब्रांडों को समर्थन	वास्तविक जीवन से जुड़ा अधिगम

4.1 विचार से पहचान तक – ब्रांड कैसे बनाएँ

गतिविधि 1 आपको सबसे पहले क्या याद आता है?

निर्देश

- शिक्षार्थियों से 3–4 परिचित ब्रांडों के नाम लिखने और उनकी टैगलाइन याद करने के लिए कहें।
- संक्षिप्त चर्चा के माध्यम से यह समझाएँ कि टैगलाइन क्यों यादगार होती हैं।
- जोड़ी या पूरी कक्षा में साझा करने की गतिविधि करवाएँ और समान पैटर्न की पहचान करें।
- समझाएँ कि लोगो और टैगलाइन किस प्रकार ब्रांड की पहचान और भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत बनाते हैं।
- शिक्षार्थियों को चिंतन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए निर्देश दें।

संकेतात्मक उत्तर जो व्यक्ति के अनुसार भिन्न हो सकते हैं।

Dettol – 100% सुनिश्चित रहें (Be 100% Sure) Pears – शुद्ध और सौम्य (Pure and Gentle) Navratna – ठंडा ठंडा कूल कूल (Thanda Thanda Cool Cool) Nike – जस्ट डू इट (Just Do It)

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किस तत्व ने आपको ब्रांड सबसे जल्दी याद दिलाया?

टैगलाइन ने मुझे ब्रांड सबसे जल्दी याद रखने में मदद की क्योंकि यह छोटी, आकर्षक और आसानी से याद रहने वाली है।

प्रश्न 2. टैगलाइन और लोगो ब्रांड को याद रखने में कैसे मदद करते हैं?

टैगलाइन और लोगो हमारी यादों में इसलिए बने रहते हैं क्योंकि वे सरल, आकर्षक होते हैं और बार-बार दोहराए जाते हैं, जिससे ब्रांड की मजबूत पहचान बनती है।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

ब्रांड जागरूकता, बाज़ार की समझ, अवलोकन क्षमता, रचनात्मकता और संप्रेषण कौशल।

समीक्षा

प्रभावी ब्रांडिंग से मजबूत पहचान और भावनात्मक जुड़ाव बनती है, जो उद्यमिता की सफलता के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

केस स्टोरी 1 वेकफ़िट: ब्रांडिंग में कहानी सुनाना

निर्देश

- शिक्षार्थियों से Wakefit का केस ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें।
- यह स्पष्ट करें कि इस ब्रांड ने उद्देश्य, संदेश और अभियानों के माध्यम से ग्राहकों से कैसे जुड़ाव बनाया।
- शिक्षार्थियों को पूर्ण वाक्यों में चिंतन प्रश्नों के उत्तर लिखने और मुख्य विचारों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. Wakefit जैसे नए उद्यम (Venture) के लिए मजबूत ब्रांडिंग विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

मजबूत ब्रांडिंग एक नए उद्यम को विश्वास बनाने, प्रतिस्पर्धियों से अलग पहचान बनाने और ग्राहकों तक अपने उद्देश्य को स्पष्ट रूप से पहुँचाने में मदद करती है।

प्रश्न 2. Wakefit के लिए ब्रांडिंग का कौन सा तत्व (नाम, लोगो या अभियान) आपको सबसे अधिक यादगार लगता हैं? क्यों?

यह अभियान सबसे मजबूत यादगार प्रभाव पैदा करता है क्योंकि नींद और आराम से जुड़ा इसका सरल और लोगों से जुड़ने वाला संदेश ग्राहकों को आसानी से आकर्षित करता है।

प्रश्न 3. नींद पर केंद्रित ब्रांड को ग्राहकों के लिए किन भावनाओं या संवेदनाओं को सम्बोधित करना चाहिए और क्यों?

नींद पर केंद्रित एक ब्रांड को आराम, सुकून और विश्वास की भावना उत्पन्न करनी चाहिए क्योंकि ये भावनाएँ ग्राहकों के स्वास्थ्य और खरीद निर्णयों को सीधे प्रभावित करती हैं।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

रणनीतिक ब्रांड सोच, ग्राहक की समझ, कहानी सुनाना, भिन्नता और बाज़ार की समझ।

समीक्षा

स्पष्ट उद्देश्य और सार्थक कहानी-कथन स्टार्टअप को विश्वास बनाने, अलग पहचान स्थापित करने और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाने में मदद करते हैं।

अपनी ब्रांड पहचान डिजाइन करें

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से किसी उत्पाद या सेवा का चयन करने और एक ब्रांड पहचान शीट तैयार करने के लिए कहें।
- यह स्पष्ट करें कि इसमें ब्रांड नाम, लोगो का विचार, 5–6 शब्दों की टैगलाइन और तीन ब्रांड मूल्य जैसे तत्त्व शामिल होने चाहिए।
- यह भी बताएँ कि विचार यथार्थवादी, प्रासंगिक और उद्देश्य-आधारित होने चाहिए।
- रचनात्मकता और ग्राहक से जुड़ाव को प्रोत्साहित करें तथा उनसे कहें कि अगली कक्षा में इसे A4 आकार की शीट पर प्रस्तुत करें।

ब्रांड पहचान शीट नमूना (उदाहरण)

उत्पाद/सेवा: हेल्दी मिलेट स्नैक्स

ब्रांड नाम: NutriBite

लोगो का विचार: हरा गोलाकार लोगो जिसमें कटोरे के अंदर एक पत्ती मुस्कान के आकार में बनी हो और जो स्वास्थ्य और खुशी का प्रतीक हो।

टैगलाइन: Healthy Snacking Made Simple

तीन ब्रांड मूल्य:

- स्वास्थ्य और पोषण
- ईमानदारी और गुणवत्ता
- सततता

यह उदाहरण स्पष्टता, प्रासंगिकता, उद्देश्य और ग्राहक से जुड़ाव को दर्शाता है और इसके साथ ही विचार को व्यावहारिक और वास्तविक बनाए रखता है।

4.2 उद्देश्य के साथ ब्रांड: कहानी सुनाने की शक्ति

गतिविधि 2 आपको इसे याद रखने में सबसे अधिक क्या मदद करता है?

निर्देश

- शिक्षार्थियों से किसी ऐसे ब्रांड को याद करने के लिए कहें जो अपनी कहानी या संदेश के लिए जाना जाता हो।
- उनसे ब्रांड का नाम और उससे जुड़ी एक महत्त्वपूर्ण पंक्ति लिखने के लिए कहें।
- जोड़ी या समूह में उदाहरण साझा करने की गतिविधि करवाएँ।
- संक्षिप्त चर्चा के माध्यम से समझाएँ कि ब्रांड की कहानियाँ क्यों यादगार होती हैं।

ब्रांड: *Tata Tea– Jaago Re*
कहानी/संदेश (एक पंक्ति): *यह अभियान लोगों को जागरूक होने और सामाजिक ज़िम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है।*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस ब्रांड की कहानी आपके साथ दूसरों की तुलना में अधिक समय तक क्यों टिकी रही?
क्योंकि यह वास्तविक सामाजिक मुद्दों और भावनाओं से जुड़ती है।

प्रश्न 2. संदेश या भावना ने ब्रांड को अधिक विश्वसनीय या जुड़ने योग्य (Relatable) कैसे बनाया?
इससे ब्रांड ज़िम्मेदार और संवेदनशील प्रतीत होता है, केवल उत्पाद बेचने वाला नहीं।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

ग्राहक सहानुभूति, कहानी-कथन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और बाज़ार की समझ।

समीक्षा

भावनात्मक कहानी-कथन ब्रांड के प्रति विश्वास और दीर्घकालिक ग्राहक संबंध को मजबूत बनाता है।

गतिविधि 3 ब्रांड के पीछे की कहानी सुनाएँ

निर्देश

- शिक्षार्थियों से अपने पसंदीदा किसी एक ब्रांड का चयन करने के लिए कहें।
- उनसे उस ब्रांड पर आधारित 2–3 मिनट की एक छोटी कहानी लिखने के लिए कहें, जिसमें ब्रांड का उद्देश्य, वह कौन-सी समस्या हल करता है, उसके मूल्य और उसका भावनात्मक संदेश सम्मिलित हो।
- स्पष्ट और रचनात्मक लेखन के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को अपनी कहानी साथी या छोटे समूह के साथ साझा करने के लिए प्रेरित करें और चर्चा करें कि यह कहानी जुड़ाव और विश्वास कैसे बनाती है।

संकेतात्मक उत्तर

चयनित ब्रांड: Nike
- **उद्देश्य:** आत्मविश्वास को प्रेरित करना।
- **समस्या:** प्रेरणा की कमी।
- **मूल्य:** दृढ़ता, नवाचार और आत्मविश्वास।
- **संदेश:** हर व्यक्ति महान उपलब्धियाँ हासिल कर सकता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कहानी का कौन-सा भाग आपको सबसे अधिक पसंद आया और क्यों?
मुझे "Just Do It" का प्रेरणादायक संदेश पसंद आया क्योंकि यह लोगों को चुनौतियों का सामना करने और स्वयं पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रश्न 2. कहानी लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव कैसे बनाती है?
यह कहानी वास्तविक संघर्ष, दृढ़ संकल्प और सफलता को दिखाकर भावनात्मक रूप से जुड़ती है, जिससे लोग प्रेरित और सशक्त महसूस करते हैं।

प्रश्न 3. आपने ब्रांड द्वारा कहानी सुनाने और विश्वास एवं निष्ठा के निर्माण में इसके महत्व के बारे में क्या सीखा?
मैंने सीखा कि प्रभावशाली कहानी-कथन लोगों से जुड़ने वाले मूल्यों, जैसे दृढ़ता और आत्मविश्वास, को लगातार बढ़ावा देकर विश्वास और निष्ठा का निर्माण करता है।

शुगर कॉस्मेटिक्स: कहानी सुनाने की कला

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से SUGAR Cosmetics के केस को पढ़ने और उसके प्रमुख मूल्यों व संदेशों की पहचान करने के लिए कहें।
- संक्षेप में समझाएँ कि यह ब्रांड केवल उत्पादों तक सीमित नहीं है बल्कि आत्मविश्वास, व्यक्तिगत पहचान और सशक्तिकरण जैसे मूल्यों को भी दर्शाता है।
- विद्यार्थियों से कल्पना करने को कहें कि वे इस ब्रांड के ब्रांड प्रबंधक हैं और किसी वास्तविक सामाजिक विषय पर आधारित एक विज्ञापन का विचार तैयार करें।
- उनसे विज्ञापन की अवधारणा 5–6 पंक्तियों में लिखने के लिए कहें।
- इसके बाद साझा करने और चर्चा की गतिविधि करवाएँ, जिसमें भावनात्मक और मूल्य-आधारित संदेशों पर ध्यान दिया जाए।

SUGAR कॉस्मेटिक्स के लिए ऐसा मूल्य-आधारित विज्ञापन तैयार करें, जो किसी सामाजिक विषय को उजागर करे और उत्पाद से अधिक संदेश पर ध्यान केंद्रित करे।

विज्ञापन की विषयवस्तु और अवधारणा (संकेतात्मक प्रमुख शब्द, एक पंक्ति)

साहसिक आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास, व्यक्तिगत पहचान, सशक्तिकरण, प्रामाणिकता और आंतरिक शक्ति।

4.3 ब्रांड की कहानी: उद्देश्य, मूल्य और प्रभाव

गतिविधि 4 समस्या से विचार तक

निर्देश

- विद्यार्थियों से कल्पना करने के लिए कहें कि वे अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू कर रहे हैं।
- उन्हें किसी एक ऐसी समस्या की पहचान करने के लिए मार्गदर्शन दें, जिसे वे हल करना चाहते हैं या ऐसी भावना जिसे वे ग्राहकों को अनुभव करवाना चाहते हैं।
- विद्यार्थियों से अपने विचार को 1–2 वाक्यों में लिखने के लिए कहें।
- उन्हें अपने विचार साथी के साथ साझा करने और चर्चा करने के लिए प्रेरित करें कि यह विचार क्यों महत्त्वपूर्ण है।

व्यवसायिक विचार (1–2 वाक्य):

मैं एक सस्ती और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग व्यवसाय शुरू करना चाहता/चाहती हूँ, जो प्लास्टिक कचरे को कम करे और पर्यावरण की रक्षा में मदद करे।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. क्या चीज़ आपके विचार को दूसरों के लिए सार्थक या मूल्यवान बनाती है?

यह प्रदूषण को कम करने में मदद करता है और ज़िम्मेदार उपभोग को प्रोत्साहित करता है।

प्रश्न 2. आपके विचार से सबसे अधिक किसे लाभ होगा और क्यों?

छोटे व्यवसायों और पर्यावरण को लाभ होगा क्योंकि यह समाधान सस्ता और टिकाऊ है।

समीक्षा

भावनात्मक कहानी-कथन ब्रांड के प्रति विश्वास और दीर्घकालिक ग्राहक संबंध को मजबूत बनाता है।

केस स्टोरी 2 टाटा टी 'जागो रे'

निर्देश

- शिक्षार्थियों से टाटा टी: जागो रे केस को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें।
- उन्हें अभियान के मुख्य मूल्यों की पहचान करने और यह समझने के लिए मार्गदर्शन दें कि ब्रांड अपने उत्पाद को सामाजिक जागरूकता से कैसे जोड़ता है।
- विद्यार्थियों को चिंतन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में लिखने और अपने विचार साथी या पूरी कक्षा के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कौन से तत्व एक ब्रांड कहानी को प्रेरक और प्रभावशाली बनाते हैं?

एक स्पष्ट मूल्य-आधारित कहानी विश्वास का निर्माण करती है, ब्रांड की पहचान को मजबूत बनाती है और उपभोक्ताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ने में मदद करती है।

प्रश्न 2. कौन-से तत्व किसी ब्रांड की कहानी को प्रेरणादायक और प्रभावशाली बनाते हैं?

मजबूत उद्देश्य, लोगों से जुड़ने वाला संदेश, भावनात्मक आकर्षण और वास्तविक जीवन से जुड़ाव किसी ब्रांड की कहानी को प्रभावशाली बनाते हैं।

प्रश्न 3. आप अपने ब्रांड को परिभाषित करने के लिए कौन-सा एक मूल्य चुनेंगे और क्यों?

मैं ईमानदारी को चुनूँगा/चुनूँगी क्योंकि यह ग्राहकों के साथ विश्वसनीयता और दीर्घकालिक विश्वास का निर्माण करती है।

उद्देश्य को प्रस्तुत करें

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- समझाएँ कि शिक्षार्थी केवल उत्पाद पर नहीं बल्कि उद्देश्य पर आधारित एक ब्रांड तैयार करेंगे।
- शिक्षार्थियों को चार चरणों के माध्यम से मार्गदर्शन दें: चिंतन (प्रेरणा), ब्रांड का उद्देश्य (एक पंक्ति), ब्रांड के मूल्य (तीन मूल्य और उनसे जुड़े कार्य) और 120–150 शब्दों का एक ब्रांड पिच।
- इस बात पर विशेष बल दें कि विचार के "क्यों" और भावनात्मक जुड़ाव पर ध्यान देना चाहिए।
- अपने विचार साथी या पूरी कक्षा के साथ साझा करने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें।

संकेतात्मक उत्तर

चिंतन से शुरुआत करें: उत्तर (मुख्य बिंदु)

- पहचानी गई समस्या: विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी।
- व्यक्तिगत जुड़ाव: मुझे भी मंच पर बोलने का डर था।
- महत्त्व: आत्मविश्वास भविष्य की सफलता को प्रभावित करता है।

अपने ब्रांड का उद्देश्य निर्धारित करें

- हमारा ब्रांड युवा मनों को सशक्त बनाने के लिए अस्तित्व में है।

अपने ब्रांड के मूल्यों का मानचित्र तैयार करें

- नवाचार: रचनात्मक सीखने के तरीके।

- सम्मान: प्रत्येक विचार का महत्त्व।
- विकास: निरंतर सुधार।

अपना ब्रांड पिच तैयार करें और "क्यों" पर ध्यान दें

- यह विचार शिक्षार्थियों में झिझक और कम आत्मविश्वास को देखकर आया।
- हमारा ब्रांड सशक्तिकरण और आत्म-विश्वास का प्रतीक है।
- यह विचारों को व्यक्त करने के डर को दूर करने की समस्या का समाधान करता है।
- उद्देश्य: हर शिक्षार्थी को यह महसूस करवाना कि उसकी आवाज़ महत्त्वपूर्ण है।
- भावनात्मक जुड़ाव: हर शिक्षार्थी सम्मान और आत्मविश्वास का अधिकारी है।
- प्रभाव: यह आत्मविश्वासी, अभिव्यक्तिशील और उत्तरदायी युवाओं का निर्माण करता है तथा उनके भविष्य के अवसरों के द्वार खोलता है।

अध्याय 05

उद्यमियों को सशक्त बनाना: सरकारी योजनाएँ और सहयोग तंत्र

X3U1I9

कालांश: 5

यह अध्याय शिक्षार्थियों भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम और विचारों को व्यावहारिक व्यवसायों में बदलने में सरकारी योजनाओं, इनक्यूबेटर्स और समर्थन संस्थाओं की भूमिका से परिचित कराता है।

वास्तविक जीवन के केस स्टडीज़, अवधारणा व्याख्याओं, इंटरैक्टिव गतिविधियों और आवेदन-आधारित कार्यों के माध्यम से, छात्र प्रमुख योजनाओं जैसे स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा, स्टैंड-अप इंडिया, पीएमईजीपी, अटल इनोवेशन मिशन और डिजिटल इंडिया के बारे में सीखते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थियों को स्टार्टअप से जुड़ी सामान्य चुनौतियों जैसे फंडिंग, मेंटरशिप, अनुपालन, तकनीक और बाजार तक पहुँच और यह समझने में मदद करता है कि सरकारी समर्थन जोखिम को कैसे कम करता है और नवाचार, समावेशन और सतत विकास को कैसे सक्षम बनाता है। साथ ही, यह छात्रों को प्रोत्साहित करता है कि वे इस ज्ञान को वास्तविक या कल्पित स्टार्टअप आइडियाज में लागू करें।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी निम्नलिखित में सक्षम होंगे

- उद्यमियों और स्टार्टअप्स का समर्थन करने वाली भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं और पहलों की पहचान और वर्णन करने में।
- यह समझाने में कि सरकारी योजनाएं और इनक्यूबेटर (नवप्रवर्तन केंद्र) फंडिंग (वित्तपोषण), मेंटरशिप (परामर्श), बुनियादी ढांचे और बाजार पहुंच जैसी सामान्य स्टार्टअप चुनौतियों को कम करने में कैसे मदद करते हैं।
- व्यावहारिक परिणामों और प्रभावों को समझने के लिए सरकारी सहायता से लाभान्वित होने वाले स्टार्टअप्स के वास्तविक जीवन के प्रकरण अध्ययनों (केस स्टडी) का विश्लेषण करने में।
- विशिष्ट उद्यमशीलता आवश्यकताओं, पात्रता मानदंडों और दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताओं के साथ उपयुक्त सरकारी योजनाओं या इनक्यूबेटर सहायता का मिलान करने के लिए निर्णय लेने के कौशल (decision-making skills) को लागू करने

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में, शिक्षार्थियों ने निम्नलिखित को समझा है

- व्यावसायिक मॉडल (Business Models) के लिए अवसरों की पहचान करना।
- संसाधन मानचित्रण (Resource Mapping) के लिए संसाधनों का विश्लेषण करना।
- बिजनेस मॉडल कैनवास के लिए संरचित सोच (Structured Thinking)।
- उद्यम की शुरुआत (Launch) की योजना के लिए लक्ष्य निर्धारण।
- बाजार को लक्षित करने के लिए ग्राहकों की आवश्यकताएं।
- ग्राहकों के प्रबंधन के लिए संचार और सामूहिक कार्य (Teamwork)।

B9F5L8

औचित्य

यह अध्याय यह प्रदर्शित करके छात्रों के बीच उद्यमशीलता संबंधी जागरूकता और आत्मविश्वास का निर्माण करता है कि कैसे संरचित सरकारी सहायता उद्यमशीलता को सुलभ, समावेशी और प्राप्त करने योग्य (साध्य) बनाती है, जिससे कक्षा के अधिगम को वास्तविक दुनिया के अवसरों और राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सके।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. सरकारी योजनाओं की जागरूकता	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	योजना संबंधी जागरूकता	अनुभवात्मक अधिगम
2. उद्यमशीलता का विकास	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	रोजगार और स्टार्टअप सहायता	व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास
3. नवाचार पारस्थितिकी तंत्र (इकोससि्टम)	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	इनक्यूबेटर (नवप्रवर्तन केंद्र) सहायता	आलोचनात्मक चिंतन एवं समस्या समाधान
4. समावेशी अवसर	एसडीजी 10 – असमानताओं में कमी	समान पहुँच वाली योजनाएँ	समावेशी शिक्षा एवं समानतामूलक शिक्षा
5. सतत (संधारणीय) उद्यम	SDG 11 – टिकाऊ समुदाय	स्थानीय समाधान	वास्तविक जीवन आधारित एवं बहुविषयक अधिगम

5.1. विचार से व्यवसाय तक: सरकारी योजनाएँ कैसे मदद करती हैं

गतिविधि 1 मेरा स्टार्टअप स्टार्टर पैक

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कल्पना करने के लिए कहें कि वे एक छोटा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं और तीन ऐसे सहयोग विकल्प चुनें जो उन्हें सबसे महत्वपूर्ण लगते हैं।
- उन्हें प्रत्येक चुने गए विकल्प के लिए एक सरल कारण लिखने के लिए कहें।
- उन्हें कार्य पूरा करने के लिए 5 मिनट दें और स्पष्ट करें कि कोई सही या गलत उत्तर नहीं है।

नमूना उत्तर

सहायता	कारण
मेंटर (मार्गदर्शक)	*किसी अनुभवी व्यक्ति से मार्गदर्शन और सलाह प्राप्त करने के लिए*
ग्राहक	उनकी आवश्यकताओं को समझने और उत्पाद में सुधार करने के लिए
टीम (दल)	बेहतर निष्पादन के लिए कार्यों, कौशल और विचारों को साझा करने के लिए

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपका स्टार्टअप स्टार्टर पैक आपको एक युवा उद्यमी के रूप में आपकी प्राथमिकताओं, आवश्यकताओं और सोच के बारे में क्या बताता है?

प्रश्न 2. आपके विचार में आपके स्टार्टअप की सफलता के लिए कौन सा सहायता तत्व सबसे आवश्यक है, और क्यों?

प्रश्न 3. जैसे-जैसे आपके स्टार्टअप का विचार विकसित होगा या उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, आपके विकल्पों में क्या बदलाव आ सकते हैं?

गतिविधि 2 स्टार्टअप चुनौतियाँ और सरकारी योजनाएँ

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कॉलम 'A' पढ़ने के लिए कहें, जिसमें स्टार्टअप के सामने आने वाली सामान्य चुनौतियों की सूची है और कॉलम 'B' पढ़ने के लिए कहें, जिसमें सरकारी योजनाओं की सूची है।

चुनौती (कॉलम A)	सरकारी योजना (कॉलम B)
पूंजी (फंड) का अभाव	*E – PMMY (मुद्रा ऋण)*
मार्गदर्शन/कार्य-स्थल की आवश्यकता	*F एस्पायर (ASPIRE) / स्टार्टअप इंडिया पोर्टल*
बिना गारंटी (कोलैटरल-फ्री) ऋण	*D – स्टैंड-अप इंडिया (Stand-Up India)*
महिला उद्यमियों के लिए सहायता	*D – स्टैंड-अप इंडिया (Stand-Up India) (यदि अनुमति हो)*
नवाचार/प्रौद्योगिकी की आवश्यकता	*A – अटल इनोवेशन मिशन (Atal Innovation Mission)*
जटिल अनुपालन	*C – स्टार्टअप इंडिया (Startup India)*
विनिर्माण के अवसर	*B – मेक इन इंडिया (Make in India)*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सरकारी योजनाएँ नए स्टार्टअप के लिए जोखिमों और बाधाओं को कम करने में कैसे मदद करती हैं?

सरकारी स्टार्टअप योजनाओं का अन्वेषण — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से दी गई सूची में से एक सरकारी योजना चुनने के लिए कहें। विश्वसनीय सरकारी स्रोतों का उपयोग करके इसके प्रमुख विवरणों पर शोध करने में उनका मार्गदर्शन करें। शिक्षार्थियों को तालिका भरने का निर्देश दें। शिक्षार्थियों से इसे अगली कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहें।

सांकेतिक उत्तर

शोध बिंदु	विवरण
योजना का नाम	*पीएमएमवाई (PMMY) - प्रधानमंत्री मुद्रा योजना*
मंत्रालय / विभाग	वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
लॉन्च का वर्ष	2015
उद्देश्य	छोटे व्यवसायों और सूक्ष्म उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
कौन आवेदन कर सकता है?	छोटे उद्यमी, स्व-नियोजित व्यक्ति, सूक्ष्म-व्यवसाय के मालिक
सहायता का प्रकार	बिना गारंटी (कोलैटरल-फ्री) ऋण
मुख्य विशेषताएँ	ऋण की तीन श्रेणियां – शिशु, किशोर, तरुण; आसान आवेदन; कम ब्याज दरें
उदाहरण / सफलता की कहानी	एक छोटी स्थानीय बेकरी को 'शिशु' ऋण मिला और उसने कई आउटलेट (शाखाओं) तक अपना विस्तार किया

5.2 उद्यमिता सहयोग के लिए सरकारी योजनाएँ

गतिविधि 3 सोचो और समझो – योजना पहचानो!

निर्देश

- विद्यार्थियों से कहें कि वे इमोजी संकेतों को ध्यानपूर्वक देखें और प्रतीकों का तार्किक अर्थ निकालें।
- उन्हें निर्देश दें कि वे स्वतंत्र सोच और चर्चा के माध्यम से प्रत्येक संकेत के लिए सही सरकारी योजना का नाम पहचानें और लिखें।

- विद्यार्थियों से कहें कि वे इमोजी संकेतों को ध्यानपूर्वक देखें और प्रतीकों का तार्किक अर्थ निकालें।
- उन्हें निर्देश दें कि वे स्वतंत्र सोच और चर्चा के माध्यम से प्रत्येक संकेत के लिए सही सरकारी योजना का नाम पहचानें और लिखें।

इमोजी संकेत	संकेत	उत्तर (योजना का नाम)
	नवाचार + प्रौद्योगिकी	*अटल इनोवेशन मिशन (Atal Innovation Mission)*
	महिला उद्यमी + ऋण सहायता	*स्टैंड-अप इंडिया (Stand-Up India)*
	लघु उद्योग + विकास सहायता	*मेक इन इंडिया (Make in India)*
	स्कूल प्रयोगशालाएं (लैब्स) + नवाचार + टिंकरिंग	*अटल टिंकरिंग लैब्स (Atal Tinkering Labs)*
	डिजिटल प्लेटफॉर्म + ऑनलाइन सेवाएं	*स्टार्टअप इंडिया पोर्टल (Startup India Portal)*
	छोटे विक्रेता + बिना गारंटी ऋण	*पीएमएमवाई (मुद्रा ऋण)*
	कौशल प्रशिक्षण + प्रमाणीकरण	*स्किल इंडिया / एनएसडीसी (Skill India / NSDC)*
IN	विनिर्माण + राष्ट्र निर्माण	*मेक इन इंडिया (Make in India)*
	पहली बार उद्यमी + स्व-रोजगार	*स्टैंड-अप इंडिया (Stand-Up India)*
	स्टार्टअप पंजीकरण + कर (टैक्स)सहायता	*स्टार्टअप इंडिया (Startup India)*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके विचार में शिक्षार्थियों के लिए कौन सी सरकारी योजना सबसे उपयोगी है और क्यों?

अटल टिंकरिंग लैब्स – नवाचार (इनोवेशन) को प्रोत्साहित करती है।

प्रश्न 2. क्या किसी योजना ने आपको आश्चर्यचकित किया या नई लगी? आपको इसके बारे में क्या दिलचस्प लगा?

स्टैंड-अप इंडिया – महिलाओं और पहली बार बनने वाले उद्यमियों का समर्थन करती है।

प्रश्न 3. यदि आप युवा उद्यमियों के लिए एक नई सरकारी योजना बना सकें, तो वह किस पर केंद्रित होगी?

मेंटरशिप (मार्गदर्शन) और सूक्ष्म-अनुदान (माइक्रो-ग्रांट)।

गतिविधि 4 पिच परफेक्ट - योजना खोज चुनौती

निर्देश

- 9 शिक्षार्थियों की टीमें (दल) बनाएँ। प्रत्येक टीम को नीचे दी गई सूची में से एक स्टार्टअप परिदृश्य (सिनेरियो) सौंपें। शिक्षार्थियों से एक टीम के रूप में चर्चा करने के लिए कहें कि भारत सरकार की कौन सी योजना उनके द्वारा चुने गए स्टार्टअप के लिए सबसे अधिक सहायक है।
- टीमों को 30-सेकंड की एक 'पिच' (प्रस्तुति) तैयार करनी चाहिए, जिसमें यह समझाया गया हो कि उनके द्वारा चुनी गई योजना उनके लिए सबसे उपयुक्त क्यों है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपने अपने स्टार्टअप विचार के लिए यही योजना क्यों चुनी?

प्रश्न 2. यह योजना स्टार्टअप की कौन-सी समस्या हल करती है?

प्रश्न 3. क्या कोई दसरी योजना भी आपके विचार को समर्थन दे सकती है? संक्षेप में बताइए।

स्टार्टअप परिदृश्य (सिनेरियो)	योजना	बहुत संक्षिप्त पिच (प्रस्तुति)
कोडिंग ऐप (Coding App)	स्टार्टअप इंडिया	*फंडिंग और मेंटरिंग सहायता के साथ टेक स्टार्टअप*
कृषि ड्रोन (Agriculture Drones)	एआईएम (AIM)	*एग्री-टेक (कृषि-तकनीक) समाधानों में नवाचार*
प्लास्टिक रीसाइक्लिंग	मुद्रा (MUDRA)	*रीसाइक्लिंग उद्यम के लिए छोटा ऋण*
हस्तशिल्प बाजार	स्टैंड-अप इंडिया	*महिलाओं के नेतृत्व वाले शिल्प व्यवसाय के लिए सहायता*
जैविक खेती (Organic Farming)	मेक इन इंडिया	*स्थानीय कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना*
सिलाई केंद्र	स्टैंड-अप इंडिया	*महिला उद्यमिता सहायता*
बांस/सौर उत्पाद	एआईएम (AIM)	*पर्यावरण के अनुकूल नवाचार सहायता*
बुटीक/मरम्मत की दुकान	मुद्रा (MUDRA)	*सूक्ष्म-व्यवसाय ऋण सहायता*
कम लागत वाला 3D प्रिंटर	स्टार्टअप इंडिया	*इनक्यूबेशन सहायता के साथ तकनीकी नवाचार*

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

टीम वर्क (सामूहिक कार्य), निर्णय लेना, सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन करना, पिचिंग (प्रस्तुति देना) और संचार कौशल।

समीक्षा

योजनाओं का चयन करना और उन्हें पिच करना शिक्षार्थियों को यह समझने में मदद करता है कि सरकारी सहायता स्टार्टअप की जरूरतों के साथ कैसे मेल खाती है, यह रणनीतिक सोच को बढ़ावा देती है, और विचारों को प्रस्तुत करने में आत्मविश्वास पैदा करती है।

भारत में स्टार्टअप यात्रा - शोध कार्य

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को यह जानने की सलाह दें कि भारत में स्टार्टअप कैसे विकसित होते हैं और स्टार्टअप इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) की एक संक्षिप्त परिभाषा लिखने के लिए कहें।
- इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) के किन्हीं तीन प्रमुख घटकों को सूचीबद्ध करने में उनका मार्गदर्शन करें।
- उन्हें दो भारतीय स्टार्टअप्स पर शोध करने और उनके संस्थापक, लॉन्च का वर्ष और हल की गई समस्या को दर्ज करने का कार्य सौंपें।

संक्षेप में उत्तर दें

प्रश्न 1. स्टार्टअप इकोसिस्टम क्या होता है?

स्टार्टअप इकोसिस्टम संगठनों, लोगों और संसाधनों का एक नेटवर्क है जो स्टार्टअप के निर्माण, विकास और स्थिरता का समर्थन करता है।

प्रश्न 2. भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के कोई तीन घटक लिखें और समझाएँ (जैसे—सरकारी समर्थन, निवेशक, इनक्बयेटर, मेंटर, तकनीक आदि)।

सरकारी सहायता स्टार्टअप को विकसित होने में मदद करने के लिए नीतियाँ, योजनाएँ और वित्तपोषण (फंडिंग) प्रदान करती है। एंजेल निवेशक या वेंचर कैपिटलिस्ट जैसे निवेशक और फंडिंग स्रोत विस्तार के लिए आवश्यक पूंजी की आपूर्ति करते हैं। इनक्यूबेटर और मेंटर (मार्गदर्शक) मार्गदर्शन, मेंटरशिप, कार्य-स्थल (वर्कस्पेस) और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं।

नीचे दिए गए स्थान में प्रत्येक स्टार्टअप के लिए विवरण पूरा करें।	स्टार्टअप 1:	स्टार्टअप 2:
नाम	*ओयो रूम्स (OYO Rooms)*	नाम: *लेंसकार्ट* (Lenskart)
संस्थापक	*रितेश अग्रवाल*	संस्थापक: पीयूष बंसल, अमित चौधरी, सुमीत कपही
लॉन्च का वर्ष	*2013*	लॉन्च का वर्ष: 2010
हल की गई समस्या	*यात्रियों के लिए किफायती और मानकीकृत बजट आवास।*	हल की गई समस्या: होम डिलीवरी के साथ किफायती और सुविधाजनक आईवियर (चश्मे आदि की) खरीदारी।

5.3 पात्रता और आवेदन प्रक्रिया को समझना

गतिविधि 5 कौन आवेदन कर सकता है?

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कल्पना करने के लिए कहें कि वे Startup India या MUDRA Loan के लिए आवेदन कर रहे हैं और पात्रता मानदंड तथा आवश्यक दस्तावेजों के बारे में सोचें।
- उन्हें जोड़ों या समूहों में चर्चा करने के लिए मार्गदर्शन दें और आवश्यकताओं की एक स्पष्ट सूची तैयार करने के लिए कहें, इसके बाद उसे साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके विचार में स्टार्टअप ऋण या सहायता प्राप्त करने के लिए कौन सी आवश्यकता सबसे महत्वपूर्ण है?

प्रश्न 2. क्या पात्रता या दस्तावेजों में ऐसा कुछ था जिसने आपको आश्चर्यचकित किया?

प्रश्न 3. इन चरणों को जानने से आपको अपने व्यावसायिक विचार की बेहतर योजना बनाने में कैसे मदद मिल सकती है?

गतिविधि 6 आवेदन के लिए तैयार!

निर्देश

- चार शिक्षार्थियों के समूह बनाएँ। प्रत्येक समूह को एक योजना (स्टार्टअप इंडिया / पीएमईजीपी (PMEGP) / मुद्रा (MUDRA)) चुनने के लिए कहें। पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन के चरणों पर शोध करने में उनका मार्गदर्शन करें।
- समूहों से एक संक्षिप्त प्रस्तुति या चर्चा के माध्यम से अपने निष्कर्ष साझा करने के लिए कहें।

योजना	कौन आवेदन कर सकता है?	प्रमुख दस्तावेज	चरण
स्टार्टअप इंडिया	*स्टार्टअप संस्थापक*	*पैन (PAN), आधार, विचार का प्रमाण*	*पंजीकरण करें → दस्तावेज़ अपलोड करें → जमा करें*
पीएमईजीपी	*18+ आयु वर्ग के उद्यमी*	*पैन (PAN), आधार, व्यवसाय योजना*	*आवेदन करें → जमा करें → बैंक द्वारा समीक्षा*
मुद्रा (MUDRA)	*सूक्ष्म व्यवसाय*	*पैन (PAN), आधार, परियोजना योजना*	*बैंक में आवेदन करें → दस्तावेज़ जमा करें → स्वीकृति*

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

शोध, योजना बनाना, सरकारी योजनाओं को समझना, टीम वर्क (सामूहिक कार्य), और प्रस्तुति कौशल।

समीक्षा

योजनाओं के लिए आवेदन करना सीखने से संसाधनों, पात्रता, दस्तावेज़ीकरण और स्टार्टअप सहायता के लिए व्यावहारिक कदमों का ज्ञान बढ़ता है।

GIFT City – भारत का वैश्विक वित्त केंद्र

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से GIFT City पर दिए गए केस स्नैपशॉट को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें।
- यह सुनिश्चित करें कि वे इसे भारत के पहले IFSC के रूप में इसके उद्देश्य को समझें।
- उन्हें निर्देश दें कि वे केस के आधार पर दिए गए कार्यों को पूरा करें और अगली कक्षा में जमा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. GIFT City में स्टार्टअप स्थापित करने के दो लाभ लिखिए।

प्रश्न 2. एक छोटा अनचुछेद लिखिए कि GIFT City जैसा सहायक वातावरण सरकारी योजनाओ के साथ मिलकर स्टार्टअप्स की वद्धि में कै से मदद करता है।

5.4 उद्यमिता सहायता तंत्र का मानचित्रण

गतिविधि 7 मेरा स्टार्टअप इकोसिस्टम मैप बनाएँ

निर्देश

- शिक्षार्थियों से एक केंद्रीय वृत्त “मेरा स्टार्टअप” बनाने के लिए कहें, जिसके साथ चार सहायता वृत्त (मेंटर/मार्गदर्शक, निवेशक, कानूनी, कार्य-स्थल/वर्कस्पेस) जुड़े हों।

- उन्हें प्रत्येक वृत्त में एक स्टार्टअप चुनौती लिखने और सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण की सहायता को चिह्नित करने का निर्देश दें।
- वृत्तों को तीरों से जोड़कर उनके बीच संबंध दर्शाने में उनका मार्गदर्शन करें और फिर दिए गए प्रश्नों पर चिंतन करने के लिए कहें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस गतिविधि ने आपको यह समझने में कैसे मदद की कि एक स्टार्टअप को विभिन्न प्रकार की सहायता की आवश्यकता होती है?

प्रश्न 2. आपके विचार में किसी नए स्टार्टअप के लिए कौन सी समस्या सबसे कठिन होगी? क्यों?

प्रश्न 3. यदि आप शुरुआत में केवल एक सहायता चुन सकते, तो आप किसे चुनते, और क्यों?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) जागरूकता, समस्या-समाधान, रणनीतिक सोच और चिंतन।

समीक्षा

मानचित्रण (मैपिंग) से चुनौतियों की पहचान करने, सहायता की योजना बनाने और स्टार्टअप की सफलता के लिए प्रमुख संसाधनों को प्राथमिकता देने में मदद मिलती है।

केस स्टोरी 1 Phool.co

निर्देश

- शिक्षार्थियों से 'फूल.को' (Phool.co) केस अध्ययन को पढ़ने और प्रमुख इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) सहायता की पहचान करने के लिए कहें।
- उन्हें यह नोट करने में निर्देशित करें कि प्रत्येक सहायता ने स्टार्टअप की सफलता में कैसे योगदान दिया।
- उन्हें एक प्रमुख सहायता पर 1-2 वाक्य लिखने और नवाचार (इनोवेशन) तथा इसके प्रभाव में उसकी भूमिका पर चिंतन करने का निर्देश दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. एक विशिष्ट तरीके की पहचान करें जिसमें इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) सहायता ने 'Phool.co को एक पर्यावरणीय समस्या को एक सफल व्यवसाय में बदलने में मदद की।

प्रश्न 2. 'फूल.को' (Phool.co) जैसे स्टार्टअप्स में इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) सहायता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव को कैसे गति प्रदान करती है?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवसर की पहचान, समस्या-समाधान, नवाचार और चिंतन।

समीक्षा

मेंटरशिप (मार्गदर्शन) और फंडिंग (वित्तीय सहायता) जैसी इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) सहायता स्टार्टअप्स को विकसित होने, नवाचार करने और सामाजिक प्रभाव पैदा करने में मदद करती है।

स्टार्टअप पारितंत्र शोध

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से एक ऐसे स्टार्टअप (स्थानीय, राष्ट्रीय या वैश्विक) का चयन करने के लिए कहें जो वास्तविक दुनिया की किसी समस्या का समाधान करता हो।
- नवाचार, स्थिरता और व्यवसाय के विकास के संदर्भ में स्टार्टअप को अपने इकोसिस्टम से कैसे लाभ हुआ, इस पर शोध करने में उनका मार्गदर्शन करें।
- शिक्षार्थियों को इन तीनों पहलुओं को मिलाते हुए 120-150 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखने का निर्देश दें।

नमूना उत्तर

स्टार्टअप: लेंसकार्ट (Lenskart)

- *ऑनलाइन नवाचार के माध्यम से किफायती आईवियर (चश्मे आदि)।*
- *वर्चुअल 'ट्राई-ऑन' (ऑनलाइन पहनकर देखने की सुविधा) और घर पर आंखों की जांच ने पहुंच (एक्सेस) संबंधी समस्याओं को हल किया।*
- *टिकाऊ और कुशल संचालन।*
- *फंडिंग (वित्तीय सहायता), मेंटरशिप (मार्गदर्शन) और 'स्टार्टअप इंडिया' के माध्यम से विकास किया।*
- *इकोसिस्टम-संचालित विकास का उदाहरण।*

5.5 ज्ञान का उपयोग और चिंतन

गतिविधि 8 स्टार्टअप ब्रेन स्प्रिंट

निर्देश

- शिक्षार्थियों से व्यक्तिगत रूप से सोचने के लिए 2-3 मिनट का समय लेने को कहें। उनसे मैनुअल (पुस्तिका) में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहें।

भारत सरकार की तीन योजनाएँ	दो भारतीय स्टार्टअप्स
1. ***स्टार्टअप इंडिया (Startup India)*** *- मान्यता, मेंटरशिप (मार्गदर्शन) और फंडिंग के साथ नए व्यवसायों का समर्थन करता है।* *2.* ***मुद्रा (MUDRA - प्रधानमंत्री मुद्रा योजना)*** *- छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को बिना गारंटी (कोलैटरल-फ्री) ऋण प्रदान करती है।* *3.* ***पीएमईजीपी (PMEGP - प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम)*** *- छोटे पैमाने के व्यवसाय स्थापित करने में मदद के लिए धन (फंडिंग) और मार्गदर्शन प्रदान करता है।*	*1.* ***फूल.को (Phool.co)*** *- फूलों के कचरे (अपशिष्ट) को अगरबत्ती, खाद (कम्पोस्ट) और बायोडिग्रेडेबल (जैव-निम्नीकरणीय) उत्पादों में परिवर्तित करता है।* *2.* ***लेंसकार्ट (Lenskart)*** *- ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आईवियर (चश्मे आदि) को किफायती और सुलभ बनाता है।*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके विचार में युवा उद्यमियों के लिए कौन सी सरकारी योजना सबसे उपयोगी है, और क्यों?

प्रश्न 2. आपके विचार में सरकारी सहायता स्टार्टअप्स को विकसित होने में कैसे मदद करती है?

प्रश्न 3. क्या आपने चर्चा के दौरान अपने सहपाठियों से किन्हीं नई योजनाओं या स्टार्टअप्स के बारे में जाना?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

अवसर की पहचान, निर्णय लेना, शोध, सहयोग और चिंतन।

समीक्षा

सरकारी योजनाएं बाधाओं को कम करती हैं और विकास का समर्थन करती हैं; साथियों और उदाहरणों से सीखने से उद्यमशीलता की समझ मजबूत होती है।

केस स्टोरी 2 टी-हब जहाँ स्टार्टअप आइडिया बढ़ते हैं

निर्देश

- शिक्षार्थियों से टी-हब (T-Hub) पर दी गई केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ने के लिए कहें।

समूह चर्चा- छोटे समूहों में, निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें। प्रत्येक समूह को कक्षा के साथ एक मुख्य बिंदु साझा करना चाहिए।

चर्चा प्रश्न

1. आपके विचार में टी-हब (T-Hub) जैसे स्टार्टअप इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) के लिए सरकार और शैक्षणिक संस्थानों के बीच साझेदारी क्यों महत्वपूर्ण है?
2. साझा कार्य-स्थल (शेयर्ड वर्कस्पेस) और मेंटरशिप (मार्गदर्शन) प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स के सामने आने वाले जोखिमों को कैसे कम करते हैं?
3. आपके विचार में टी-हब (T-Hub) द्वारा दी जाने वाली कौन सी सहायता किसी नए उद्यमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, और क्यों?
4. निवेशकों और सरकारी योजनाओं तक पहुँच स्टार्टअप्स को तेज़ी से विकसित होने में कैसे मदद करती है?

व्यक्तिगत चिंतन: शिक्षार्थी निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से, संक्षिप्त वाक्यों में दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. यदि आप एक स्टार्टअप संस्थापक होते, तो आप सबसे पहले टी-हबकी किस सुविधा का उपयोग करते और क्यों?

प्रश्न 2. टी-हब जैसे इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) का हिस्सा होने से किसी उद्यमी के निर्णय लेने के तरीके में कैसे बदलाव आ सकता है?

प्रश्न 3. टी-हब की कहानी से आप कौन सा सबक अपने स्वयं के शैक्षणिक या करियर लक्ष्यों पर लागू कर सकते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

नेटवर्किंग, निर्णय लेना, समस्या-समाधान, संसाधनों का उपयोग और आत्म-चिंतन।

समीक्षा

जोखिमों को कम करने, सुविज्ञ (सोच-समझकर) निर्णय लेने और लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन, मेंटरशिप और सहयोग का उपयोग करें।

योजना मिलान

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से तालिका में दिए गए स्टार्टअप चुनौतियों या व्यावसायिक विचारों की समीक्षा करने के लिए कहें।
- उन्हें निर्देश दें कि वे प्रत्येक विचार के लिए सबसे उपयुक्त सरकारी योजना की पहचान करें और यह भी बताएं कि चुनी गई योजना उस विशेष विचार के लिए क्यों उपयुक्त है।

तालिका का नमूना उत्तर

क्षेत्र / विचार	योजना	क्यों
जैविक सब्जी वितरण (डिलीवरी)	*पीएमईजीपी (PMEGP) / स्टार्टअप इंडिया*	*कृषि और ग्रामीण सहायता*
टेलीमेडिसिन (Telemedicine) ऐप	*एआईएम (AIM) / स्टार्टअप इंडिया*	*डिजिटल स्वास्थ्य (हेल्थ)*
लर्निंग (सीखने का) ऐप	*एआईएम (AIM) / स्टार्टअप इंडिया*	*एड-टेक (शिक्षा-तकनीक) नवाचार*
पर्यावरण के अनुकूल कपड़े	*स्टैंड-अप इंडिया / पीएमईजीपी (PMEGP)*	*महिला और सामाजिक उद्यम*
टिफिन / बेकरी	*मुद्रा (MUDRA) / पीएमईजीपी (PMEGP)*	*सूक्ष्म खाद्य व्यवसाय*
अपशिष्ट (कचरा) रीसाइक्लिंग	*एआईएम (AIM) / स्टार्टअप इंडिया*	*क्लीन-टेक (स्वच्छ-तकनीक) नवाचार*
यात्रा और पर्यटन (टूरिज्म) ऐप	*स्टार्टअप इंडिया / डिजिटल इंडिया*	*डिजिटल पर्यटन*
हस्तनिर्मित शिल्प (हैंडमेड क्राफ्ट्स)	*स्टैंड-अप इंडिया / पीएमईजीपी (PMEGP)*	*महिला और सूक्ष्म-विनिर्माण*
सोलर (सौर) किट	*एआईएम (AIM) / मेक इन इंडिया*	*नवीकरणीय ऊर्जा*
कौशल (स्किल) प्रशिक्षण	*स्किल इंडिया / पीएमईजीपी (PMEGP)*	*व्यावसायिक और सामाजिक प्रभाव*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. स्टार्टअप इकोसिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) का कौन सा हिस्सा आपको सबसे अधिक मददगार लगता है?

प्रश्न 2. सरकारी सहायता नए उद्यमियों के आत्मविश्वास को कैसे बढ़ाती है?

प्रश्न 3. आपने विचारों को योजनाओं के साथ मिलाने (मैच करने) के बारे में क्या सीखा?

अस्वीकरण: * विद्यार्थी निर्देशिका के चिह्नित संकल्पना बॉक्स और शिक्षक निर्देशिका में दी गई सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी केवल शैक्षिक उद्देश्य हेतु है। पात्रता, लाभ और अन्य विवरण समय के साथ बदल सकते हैं, इसलिए नवीनतम जानकारी के लिए संबंधित सरकारी वेबसाइट अवश्य देखें।

अध्याय 06

सतत व्यवसाय के लिए डिजिटल साक्षरता

R6B9B9

कालांश: 5

यह अध्याय विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा, ज़िम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार, डेटा गोपनीयता और सतत व्यवसाय में AI की भूमिका से परिचित करवाता है। वास्तविक जीवन के उदाहरणों, केस स्टडी, गतिविधियों और चिंतन के माध्यम से शिक्षार्थी यह समझते हैं कि डिजिटल दुनिया में किए गए कार्य विश्वास, प्रतिष्ठा और सफलता को कैसे प्रभावित करते हैं। अध्याय में यह भी बताया गया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान और सतत उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नैतिक रूप से कैसे किया जा सकता है।

अधिगम उद्देश्य

L2G9B3

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- डिजिटल जोखिमों, डिजिटल फुटप्रिंट और नैतिक ऑनलाइन व्यवहार को समझ सकें।
- व्यक्तिगत और व्यावसायिक डेटा की सुरक्षा के लिए सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को अपनाएँ।
- सहयोग और प्रचार के लिए डिजिटल उपकरणों का ज़िम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें।
- सतत विकास और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के ज़िम्मेदार उपयोग को पहचान सकें।

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में शिक्षार्थियों ने निम्नलिखित अवधारणाएँ समझी हैं-

- AI को एक स्मार्ट व्यवसायिक उपकरण/टूल के रूप में समझा, यह जाना कि तकनीक निर्णय-निर्माण, कार्यक्षमता और नवाचार में कैसे सहायता करती है।
- AI के परिणामों की जाँच और नैतिक उपयोग के बारे में सीखा, जिसमें आउटपुट की सत्यता की पुष्टि करना और AI का ज़िम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना शामिल है।

औचित्य

आज की डिजिटल और तकनीक-आधारित दुनिया में शिक्षार्थियों के लिए केवल ऑनलाइन टूल का उपयोग करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें डिजिटल जोखिमों, नैतिक व्यवहार और ज़िम्मेदार नवाचार की समझ भी विकसित करनी चाहिए। यह अध्याय शिक्षार्थियों को आवश्यक डिजिटल सुरक्षा आदतों से परिचित करवाता है और AI को सतत विकास के लिए एक प्रभावशाली टूल के रूप में प्रस्तुत करता है। इससे शिक्षार्थी जागरूक, ज़िम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनते हैं।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. डिजिटल सुरक्षा	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	सुरक्षित और नैतिक तकनीक का उपयोग	अनुभवात्मक डिजिटल अधिगम

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
2. डेटा गोपनीयता	SDG 16 – शांति, न्याय और सशक्त संस्थान	ज़िम्मेदार डिजिटल व्यवहार	नैतिक नागरिकता
3. AI और नवाचार	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	वास्तविक जीवन के समाधान के लिए AI	आलोचनात्मक चिंतन और नवाचार
4. सतत डिजिटल उद्यमिता	SDG 12 – उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन	ज़िम्मेदार डिजिटल प्रचार	21वीं सदी के कौशल
5. सहयोग और संप्रेषण	SDG 17 – लक्ष्यों के लिए साझेदारी	डिजिटल टीमवर्क	सहकार्यात्मक अधिगम

6.1 साइबर सुरक्षा और नैतिक डिजिटल व्यवहार

गतिविधि 1 डिजिटल गलती को पहचानें

निर्देश

- परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें, स्थिति को समझें, और निर्देशानुसार व्यक्तिगत रूप से या छोटे समूहों में कार्य करें।
- डिजिटल गलती या शामिल जोखिम के बारे में समालोचनात्मक रूप से सोचें और दिए गए प्रश्नों के छोटे व स्पष्ट उत्तर लिखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस समस्या के लिए सबसे अधिक कौन-सा डिजिटल प्लेटफॉर्म ज़िम्मेदार हो सकता है?

प्रश्न 2. गलती कहाँ हुई यह पहचानने के लिए सबसे पहले किस डिजिटल गतिविधि या खाते की जाँच करनी चाहिए?

प्रश्न 3. टीम ने कौन-सी महत्वपूर्ण डिजिटल सुरक्षा प्रथा को अनदेखा किया?

केस स्टोरी 1 रिया की ऑनलाइन छवि

निर्देश

- शिक्षार्थियों को केस स्टोरी ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें और रिया के कार्यों तथा उनके परिणामों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करें।
- शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से या जोड़ों में प्रश्नों के उत्तर देने की अनुमति दें, और यदि समय हो तो संक्षिप्त साझा (sharing) भी कराएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रिया ने अपनी ऑनलाइन प्रोफ़ाइल को प्रबंधित करने में कौन-सी गलतियाँ कीं?

प्रश्न 2. उसके डिजिटल फुटप्रिंट ने इंटर्नशिप के निर्णय को कैसे प्रभावित किया?

प्रश्न 3. अपनी ऑनलाइन छवि सुधारने के लिए रिया ने क्या बदलाव किए?

डिजिटल सुरक्षा का व्यवहारिक अनुप्रयोग (Digital Safety in Action)

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- प्रत्येक परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उसमें मौजूद डिजिटल जोखिम की पहचान करें।
- प्रत्येक स्थिति के लिए एक सुरक्षित प्रतिक्रिया या सावधानी लिखें। उत्तर संक्षिप्त, स्पष्ट और व्यावहारिक रखें।

सांकेतिक उत्तर

1. **एक दुकान मालिक को बैंक से संदेश**
   जोखिम: फ़िशिंग/आर्थिक नुकसान
   सुरक्षित कदम: जानकारी साझा न करें; बैंक से सत्यापन करें
2. **ग्राहकों के ई-मेल एकत्र करना**
   सावधानियाँ: सहमति प्राप्त करें; सुरक्षित डेटा भंडारण
   ग्राहक विश्वास कैसे बनाएँ: पारदर्शिता और गोपनीयता
3. **किसी कंपनी के बारे में नकली नकारात्मक समीक्षाएँ**
   प्रभाव: प्रतिष्ठा को नुकसान; बिक्री में कमी
   सही कदम: रिपोर्ट करें और पेशेवर ढंग से प्रतिक्रिया दें
4. **संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना**
   तुरंत कार्रवाई: इंटरनेट से डिस्कनेक्ट करें; मैलवेयर स्कैन चलाएँ
   सीखा गया पाठ: लिंक की पुष्टि करें और सतर्क रहें

6.2 व्यवसाय और सहकार्य के लिए सुरक्षित डिजिटल अभ्यास

गतिविधि 2 अपना प्लेटफ़ॉर्म चुनें!

निर्देश

- गतिविधि का उद्देश्य स्पष्ट करें। दिए गए परिदृश्य को पढ़ें और विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर संक्षिप्त चर्चा करें।
- शिक्षार्थियों से एक प्रतिभा (talent) और एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म चुनने के लिए कहें। उन्हें दर्शक, गोपनीयता, सुरक्षा और उद्देश्य के बारे में सोचने के लिए मार्गदर्शन दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न: अपने कौशल को प्रदर्शित करने के लिए आप कौन-सा ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म चुनेंगे और क्यों?

केस स्टोरी 2 नाइकी × एप्पल सुरक्षित और स्मार्ट सहकार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से केस स्टडी को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें। यह देखें कि सहयोग के लिए डिजिटल उपकरणों का सुरक्षित उपयोग कैसे किया गया।
- प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से या जोड़ी में लिखें। डिजिटल सुरक्षा और टीमवर्क पर कक्षा में चर्चा करवाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सुरक्षित डिजिटल सहयोग ने Nike और Apple के बीच विश्वास बनाने में कैसे मदद की?

प्रश्न 2. यदि डिज़ाइन फ़ाइलें या रिसर्च डेटा लापरवाही से साझा किए जाएँ तो क्या समस्याएँ हो सकती हैं?

प्रश्न 3. इस केस से विद्यार्थी अपने समूह प्रोजेक्ट में कौन-सी डिजिटल सुरक्षा प्रथाएँ अपनाकर लाभ उठा सकते हैं?

सुरक्षित डिजिटल सहकार्य

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- Team Innovate और EcoBox की केस स्टोरी ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- चर्चा करें कि असुरक्षित डिजिटल प्रथाओं के कारण कौन-सी समस्याएँ उत्पन्न हुई।
- टीम सुरक्षा नियमों की तालिका को महत्व तथा ज़िम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए पूरा करें।
- चर्चा करें कि इन नियमों का पालन करने से समस्याओं को कैसे रोका जा सकता है और टीमवर्क कैसे बेहतर होता है।

नमूना उत्तर (संदर्भ हेतु)

समूह का नाम: *Team Green Innovators*

प्रोजेक्ट: *EcoBox*

तारीख: *04 जनवरी 2026*

टीम सदस्य: *रिया, अर्जुन, मीरा, संजय*

तालिका (संकेतात्मक उत्तर)

क्रमांक	नियम	क्यों महत्वपूर्ण	ज़िम्मेदार व्यक्ति
1	मजबूत पासवर्ड	*खाते की सुरक्षा*	*रिया*
2	2FA सक्षम करना	*अनधिकृत पहुँच रोकना*	*अर्जुन*
3	सही लिंक अनुमति	*दुरुपयोग रोकना*	*मीरा*
4	व्यक्तिगत जानकारी साझा न करना	*गोपनीयता की सुरक्षा*	*संजय*
5	नियमित बैकअप	*डेटा हानि से बचाव*	*रिया*
6	सम्मानजनक संचार	*सकारात्मक टीमवर्क*	*मीरा*
7	साझा उपकरणों से लॉगआउट	*दुरुपयोग रोकना*	*अर्जुन*
8	संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट	*जोखिम का त्वरित नियंत्रण*	*संजय*

6.3 डेटा प्राइवेसी (निजता) अभ्यासों को लागू करना और चिंतन

गतिविधि 3 एक सुरक्षित ऑनलाइन बिजनेस प्रोफाइल बनाएँ।

निर्देश

- जोड़ी बनाकर किसी ऑनलाइन व्यवसाय की कल्पना करें (जैसे हस्तशिल्प, स्नैक्स, ट्यूशन आदि)।
- डेटा के दुरुपयोग, धोखाधड़ी या गोपनीयता से जुड़े संभावित जोखिमों की पहचान करें।
- 5–7 बिंदुओं की डिजिटल सुरक्षा चेकलिस्ट तैयार करें, जिसमें ग्राहक डेटा की सुरक्षा, पासवर्ड सुरक्षा, भुगतान प्रणाली और ज़िम्मेदार ऑनलाइन संचार शामिल हों
- अपनी चेकलिस्ट कक्षा के साथ साझा करने के लिए तैयार रहें।

डिजिटल सुरक्षा चेकलिस्ट (संकेतात्मक उत्तर)

व्यवसाय का विचार: पर्यावरण-अनुकूल हस्तनिर्मित शिल्प

टीम सदस्य: सैयमा और नज़राना

1. *सभी व्यवसायिक खातों के लिए मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड का उपयोग करें।*
2. *ईमेल, सोशल मीडिया और भुगतान खातों में दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (2FA) करें।*
3. *ग्राहक डेटा को गोपनीय रखें; ईमेल, फोन नंबर या पते टीम के बाहर साझा न करें।*
4. *केवल सत्यापित भुगतान प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करें और नियमित रूप से लेनदेन की जाँच करें।*
5. *सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स का उपयोग करके यह नियंत्रित करें कि कौन पोस्ट और संदेश देख सकता है।*
6. *ग्राहकों से ऑनलाइन संवाद करते समय पेशेवर भाषा का उपयोग करें और व्यक्तिगत राय साझा करने से बचें।*
7. *सभी व्यवसायिक दस्तावेज़ और फ़ाइलों का नियमित बैकअप रखें।*

केस स्टोरी 3 स्नैकसखी – एक घरेलू डिजिटल उद्यम

निर्देश

- शिक्षार्थियों से केस स्टोरी को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें। टीम द्वारा की गई डिजिटल सुरक्षा गलतियों की पहचान करें। विचार करें कि इन गलतियों ने ग्राहकों के विश्वास को कैसे प्रभावित किया।
- प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से या जोड़ी में लिखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. SnackSakhi टीम ने कौन-सी डिजिटल सुरक्षा गलतियाँ कीं और उन्हें पहले कैसे रोका जा सकता था?

प्रश्न 2. ज़िम्मेदारी लेने और तुरंत कार्य करने से व्यवसाय को ग्राहकों का विश्वास वापस पाने में कैसे मदद मिली?

प्रश्न 3. सोशल मीडिया का उपयोग करते समय छोटे छात्र-आधारित या घरेलू व्यवसायों को कौन-से डिजिटल सुरक्षा नियम अपनाने चाहिए?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

डिजिटल सुरक्षा जागरूकता, ज़िम्मेदार डेटा प्रबंधन, विश्वास निर्माण, समस्या-समाधान और नैतिक निर्णय क्षमता।

समीक्षा

ग्राहक जानकारी की सुरक्षा व्यवसाय की विश्वसनीयता बढ़ाती है, विश्वास स्थापित करती है और ऑनलाइन व्यवसाय संचालन को सुरक्षित बनाती है।

सुरक्षित डिजिटल सहकार्य (Secure Digital Collaboration) — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को किसी एक नियमित डिजिटल गतिविधि का अवलोकन करने को कहें। (ऑनलाइन शॉपिंग ऐप, व्हाट्सएप समूह, सोशल मीडिया, भुगतान ऐप या ईमेल)
- निम्नलिखित की पहचान करने के निर्देश दें:
  - एक सुरक्षित प्रथा जो अपनाई जा रही है
  - एक संभावित गोपनीयता या सुरक्षा जोखिम
  - सुरक्षा के लिए एक सरल सुधार

संकेतात्मक उत्तर

- **चयनित डिजिटल गतिविधि:** व्हाट्सऐप विद्यालय समूह
- **देखी गई सुरक्षित प्रथा:** संदेश केवल निर्धारित प्राप्तकर्ताओं को भेजे जाते हैं और नए सदस्यों को जोड़ने से पहले समूह प्रशासक (एडमिन) की स्वीकृति ली जाती है।
- **पहचाना गया संभावित जोखिम:** सभी सदस्यों के फोन नंबर समूह में दिखाई देते हैं, जिनका दुरुपयोग किया जा सकता है।
- **सुरक्षा के लिए सुझाया गया सुधार:** संवेदनशील जानकारी साझा करते समय "Hide Number" या "Broadcast List" जैसे विशेषताओं का उपयोग करें अथवा जानकारी केवल आवश्यक सदस्यों तक ही सीमित रखें।

6.4 सतत व्यवसाय में एआई (AI in Sustainable Business)

गतिविधि 4 स्वाइप करने से पहले सोचें

निर्देश

- शिक्षार्थियों से विद्यार्थी पुस्तिका में दिए गए AI आधारित शॉपिंग ऐप के परिदृश्य को पढ़ने के लिए कहें।
- संक्षिप्त चर्चा करें कि AI किस प्रकार खरीदारी की आदतों और पर्यावरणीय प्रभाव को प्रभावित कर सकता है।
- शिक्षार्थियों से दोनों ऐप की तुलना करने और यह निर्धारित करने के लिए कहें कि कौन-सा ऐप सततता को बढ़ावा देता है। उन्हें अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताने के लिए प्रेरित करें।
- तकनीक के उपयोग और ज़िम्मेदार निर्णय लेने के बीच संबंध स्थापित करने पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- पहले विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से कार्य करने दें और फिर इन विचारों को साझा करने के लिए एक संक्षिप्त कक्षा चर्चा करवाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कौन-सा ऐप सततता को बढ़ावा दे रहा है और क्यों?

प्रश्न 2. क्या AI जैसी तकनीक हमारे ग्रह के लिए बेहतर विकल्प चुनने में हमारी मदद कर सकती है? स्पष्ट करें।

गतिविधि 5 AI- मेरा सतत समाधान

निर्देश

- शिक्षार्थियों से किसी एक व्यवसाय क्षेत्र का चयन करने के लिए कहें जैसे कि खुदरा, कृषि, परिवहन, विनिर्माण या ऊर्जा।
- चुने गए क्षेत्र से जुड़ी किसी पर्यावरणीय समस्या की पहचान करने के लिए कहें।
- शिक्षार्थियों को यह सोचने के लिए प्रेरित करें कि AI किस प्रकार एक सरल और व्यावहारिक समाधान प्रदान कर सकता है।
- उनसे व्यक्तिगत रूप से संक्षिप्त और स्पष्ट उत्तर लिखने के लिए कहें।
- कक्षा में चर्चा करवाएँ ताकि शिक्षार्थी अपने विचार साझा कर सकें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. क्या इस क्षेत्र में AI कभी सततता के लिए हानिकारक हो सकता है? एक संभावित जोखिम बताइए।

हाँ, यदि AI केवल उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दे और पर्यावरणीय प्रभाव की अनदेखी करे तो इससे संसाधनों का अत्यधिक उपयोग और प्रदूषण बढ़ सकता है।

प्रश्न 2. इस क्षेत्र को अधिक सतत बनाने के लिए अपने AI आधारित समाधान को 2–3 वाक्यों में लिखिए।

AI सेंसर मिट्टी और फसलों की स्थिति को वास्तविक समय में मॉनिटर करते हैं।

- यह किसानों को सिंचाई और उर्वरक के सही उपयोग के बारे में मार्गदर्शन देता है, जिससे अपशिष्ट कम होता है।
- इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती है और खेती की दक्षता भी बढ़ती है।

सतत व्यवसाय के लिए AI

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे किसी एक वास्तविक कंपनी या स्टार्टअप (भारतीय या वैश्विक) की पहचान करें, जो पर्यावरण या समाज के हित में AI का उपयोग कर रहा हो।
- उन्हें विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने में सहायता करें।
- शिक्षार्थी दिए गए प्रारूप में सरल शब्दों में जानकारी भरें।
- यह समझाएँ कि मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि AI सततता में कैसे सहायता करता है न कि तकनीकी विवरण देना।

संकेतात्मक उत्तर

	उदाहरण 1: भारतीय स्टार्टअप	उदाहरण 2: वैश्विक कंपनी	उदाहरण 3: सामाजिक प्रभाव स्टार्टअप
कंपनी / स्टार्टअप का नाम	CropIn	Google (AI for Climate & Energy)	Recycleye
समस्या	फसल हानि, अप्रभावी खेती, पानी और उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग	अधिक ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन	समस्या: कचरे की छंटाई और पुनर्चक्रण की अप्रभावी प्रक्रिया
AI का उपयोग	AI मौसम डेटा, मिट्टी की स्थिति और फसल के स्वास्थ्य का विश्लेषण करके किसानों को सिंचाई और खेती के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन देता है।	AI डेटा केंद्रों में ऊर्जा उपयोग को अनुकूलित करता है और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का पूर्वानुमान लगाता है।	AI आधारित विज़न सिस्टम पुनर्चक्रण योग्य कचरे की पहचान और छंटाई करता है।
पर्यावरण या समाज पर सकारात्मक प्रभाव	पानी की बचत, बेहतर फसल उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि।	पर्यावरण या समाज पर सकारात्मक प्रभाव: कार्बन फुटप्रिंट में कमी और ऊर्जा की बचत।	पर्यावरण या समाज पर सकारात्मक प्रभाव: पुनर्चक्रण दर में वृद्धि और लैंडफिल में जाने वाले कचरे में कमी।
आपके लिए एक सीख	AI सतत कृषि को बढ़ावा देते हुए किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायता कर सकता है।	तकनीक जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।	AI कचरा प्रबंधन को अधिक स्मार्ट और प्रभावी बना सकता है।

अध्याय 07

निवेश के निर्णय

C4T9D4

कालांश: 06

यह अध्याय यह समझने में सहायता करता है कि समय के साथ धन किस प्रकार मूल्य उत्पन्न करता है और कैसे यह व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक निर्णयों को अधिक समझदारीपूर्ण बनाता है। शिक्षार्थी निवेश पर रिटर्न, धन का समय मूल्य, लौटाने की अवधि, कराधान, बजटिंग, बचत, निवेश और जोखिम–रिटर्न जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों का अध्ययन करते हैं।

वास्तविक जीवन के उदाहरणों (जैसे- Student Cafe, Lenskart और BoAt) तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षार्थी सरल गणनाओं का अभ्यास करते हैं, विकल्पों की तुलना करते हैं और वित्तीय निर्णयों पर चिंतन करते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थियों में वित्तीय अनुशासन, रणनीतिक सोच और जीवन भर उपयोगी ज़िम्मेदार वित्तीय आदतों का विकास करता है।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- विश पर रिटर्न (Return on Investment – ROI) की गणना और व्याख्या कर सकें तथा इसका उपयोग वित्तीय और व्यावसायिक निर्णयों की तुलना के लिए कर सकें।
- धन का समय मूल्य (Time Value of Money – TVM) की अवधारणा को समझ सकें और यह जान सकें कि समय किस प्रकार धन के वास्तविक मूल्य और निवेश के परिणामों को प्रभावित करता है।
- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की पहचान कर सकें तथा आय, लाभ और वास्तविक आय पर उनके प्रभाव को समझा सकें।
- बचत और निवेश के बीच अंतर समझ सकें तथा जोखिम, सुरक्षा, तरलता, समय अवधि और संभावित रिटर्न के आधार पर उनकी तुलना कर सकें।
- बजट बनाकर, लाभ का विवेकपूर्ण उपयोग करके, जोखिम–रिटर्न के संतुलन का आकलन करके तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक धन से जुड़े ज़िम्मेदार निर्णय लेकर वित्तीय अनुशासन और रणनीतिक सोच का अभ्यास कर सकें।

पिछली कक्षा से जोड़ना

कक्षा 11 में शिक्षार्थियों ने निम्नलिखित अवधारणाएँ समझी हैं

F3D6T7

- आय, व्यय, बचत और बजट तथा यह कि दैनिक वित्तीय निर्णय भविष्य के लक्ष्यों को कैसे प्रभावित करते हैं।
- बचत बनाम निवेश, जिसमें जोखिम, रिटर्न (return), समय और समझदारीपूर्ण वित्तीय निर्णय शामिल हैं।
- व्यवसाय की स्थिरता के लिए लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, लाभ, ब्रेक-ईवन बिंदु और शट-डाउन बिंदु।
- संपत्तियाँ, देनदारियाँ, स्टॉक और राजस्व तथा उनका वित्तीय स्वास्थ्य में योगदान।
- वित्तीय योजना और वित्तपोषण, जिसमें ऋण, निवेशकों की भूमिका, क्राउडफंडिंग और एक मूल व्यवसाय निवेश योजना तैयार करना शामिल है।

औचित्य

आज की डिजिटल और उद्यमशील दुनिया में केवल धन अर्जित करना पर्याप्त नहीं है; व्यक्तियों और व्यवसायों को यह भी सीखना चाहिए कि अपने धन का सही प्रबंधन, विकास और संरक्षण कैसे किया जाए। यह अध्याय वास्तविक जीवन की व्यावसायिक परिस्थितियों से जोड़कर शिक्षार्थियों में वित्तीय समझदारी विकसित करता है। शिक्षार्थी समझते हैं कि प्रत्येक निवेश निर्णय में समय, जोखिम और अपेक्षित रिटर्न शामिल होते हैं, और यह कि लाभ तभी अर्थपूर्ण होता है जब उसमें करों और निवेश की वापसी अवधि को ध्यान में रखा जाए। वे यह भी समझते हैं कि बचत वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है, जबकि निवेश विकास के अवसर पैदा करता है। स्मार्ट बजटिंग और पुनर्निवेश जैसे विचारों के माध्यम से यह अध्याय दीर्घकालिक स्थिरता और ज़िम्मेदार वित्तीय योजना के महत्त्व को रेखांकित करता है। इस प्रकार यह शिक्षार्थियों को वित्तीय रूप से ज़िम्मेदार नागरिक, भावी उद्यमी और जागरूक निर्णयकर्ता बनने के लिए तैयार करता है।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. **सरकारी योजनाओं की जागरूकता**	SDG 4 – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	शिक्षार्थी निवेश पर रिटर्न, धन का समय मूल्य और बजटिंग की समझ	अनुभवात्मक अधिगम
2. **सरकारी योजनाओं की जागरूकता**	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	समझदारीपूर्ण निवेश और बचत	व्यावसायिक जीवन कौशल
3. **सरकारी योजनाओं की जागरूकता**	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	वित्तीय योजना और नवाचार	आलोचनात्मक चिंतन
4. **सरकारी योजनाओं की जागरूकता**	SDG 16 – शांति, न्याय और सशक्त संस्थान	नियमों का पालन और जिम्मेदारी	नैतिक नागरिकता
5. **सरकारी योजनाओं की जागरूकता**	SDG 12 – उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन	अनुशासित खर्च और स्थिरता	21वीं सदी के कौशल

7.1 खर्च किए गए पैसे से प्राप्त मूल्य तक

गतिविधि 1 कौन-सा सौदा बेहतर है?

निर्देश

- शिक्षार्थियों को परिदृश्य पढ़ने के लिए कहें।
- शिक्षार्थियों को जोड़ों या छोटे समूहों में विभाजित करें ताकि वे प्रत्येक विकल्प के लिए लाभ और समय की गणना कर सकें।
- इस बात पर जोर दें कि अधिक राशि होना हमेशा बेहतर विकल्प नहीं होता।

चिंतन प्रश्न

- **विकल्प A का लाभ: ₹6,000 – ₹5,000 = ₹1,000 (1 वर्ष में)**
- **विकल्प B का लाभ: ₹7,000 – ₹5,000 = ₹2,000 (3 वर्ष में)**

प्रश्न 1. आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

प्रश्न 2. पैसा वापस मिलने के समय का महत्त्व क्यों है?

प्रश्न 3. इस गतिविधि से आपने सबसे अच्छे सौदे के बारे में क्या सीखा?

सबसे अच्छा सौदा केवल अंतिम राशि पर निर्भर नहीं करता; इसमें लाभ, समय और उपयोगिता भी महत्वपूर्ण होते हैं।

गतिविधि 2 वास्तविक लाभ को समझना

निर्देश

- शिक्षार्थी पुस्तिका में दिए गए कैफ़े के उदाहरण का उपयोग करके शुद्ध लाभ (Net Profit) और कर कटौती (Tax Deduction) की अवधारणाएँ समझाएँ।
- शिक्षार्थियों को कर के बाद लाभ की गणना करने और निवेश की वापसी का अनुमान लगाने के लिए मार्गदर्शन दें।
- उनसे यह सोचने के लिए कहें कि व्यवसाय में क्या सुधार किए जा सकते हैं और संक्षिप्त चर्चा कराएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. वर्तमान आय के आधार पर ₹20,000 के मूल निवेश को वापस पाने में कितना समय लगेगा?

शुद्ध लाभ: ₹5,000 – ₹500 = ₹4,500

अनुमानित लौटाने की अवधि: ₹20,000 ÷ ₹4,500 ≈ 4–5 समान अवधि

प्रश्न 2. आपके अनुसार अब शिक्षार्थियों को क्या करना चाहिए?

- कैफ़े को उसी तरह जारी रखें।
- सुधार करें या व्यवसायिक विचार बदलें?
- अपना कारण बताएँ।

निर्णय: कैफ़े में सुधार करना (बेहतर प्रचार, सप्ताहांत में अधिक बिक्री, लागत नियंत्रण)।

कारण: व्यवसाय लाभदायक है लेकिन लाभ की गति धीमी है; सुधार करने से आय बढ़ सकती है।

मुझे कहाँ निवेश करना चाहिए? — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- प्रत्येक निवेश विकल्प को समय, रिटर्न और कर के आधार पर समझाएँ।
- शिक्षार्थियों को जोखिम और लक्ष्यों के आधार पर विकल्पों की तुलना करने के लिए प्रेरित करें।
- उन्हें एक विकल्प चुनने और अपने निर्णय का कारण लिखने के लिए कहें।
- साप्ताहिक कार्य तालिका को संक्षेप में पूरा करने में सहायता करें।

संकेतात्मक उत्तर

प्रश्न	संकेतात्मक उत्तर
आपने कौन-सा विकल्प चुना?	*विकल्प 1 – जल्दी लाभ*

आपने यह विकल्प क्यों चुना?	*कम समय और कोई कर नहीं*
पैसा वापस मिलने में कितना समय लगेगा?	*6 महीने*
यदि आपको तुरंत पैसे की आवश्यकता हो तो क्या आप अपना निर्णय बदलेंगे? क्यों?	*हाँ, क्योंकि इसमें जल्दी रिटर्न मिलता है*

7.2 स्मार्ट बचत और लाभ प्रबंधन

गतिविधि 3 खर्च करें या बचाएँ?

निर्देश

- गतिविधि का उद्देश्य समझाएँ: व्यवसाय किस प्रकार लाभ को खर्च, बचत और पुनर्निवेश में विभाजित करता है।
- एक उदाहरण दें, जहाँ किसी छोटे व्यवसाय को ₹1,000 का लाभ होता है।
- खर्च, बचत और पुनर्निवेश को सरल उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करें।
- शिक्षार्थियों को लाभ को प्रतिशत में विभाजित करने के लिए कहें (कुल 100%)।
- वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की वृद्धि के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

चिंतन प्रश्न

- *उदाहरणात्मक विभाजन (तालिका)*
- *खर्च: 30% (₹300)*
- *बचत: 30% (₹300)*
- *पुनर्निवेश: 40% (₹400)*

प्रश्न 1. आपने पैसे को इस प्रकार क्यों विभाजित किया?

वर्तमान आवश्यकताओं, भविष्य की सुरक्षा और व्यवसाय की वृद्धि के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए। यह विभाजन स्थिरता, जोखिम प्रबंधन और दीर्घकालिक विकास को समर्थन देता है।

प्रश्न 2. आपके अनुसार कौन-सा भाग सबसे महत्त्वपूर्ण है— खर्च, बचत या पुनर्निवेश? क्यों?

सबसे महत्त्वपूर्ण भाग: पुनर्निवेश क्योंकि इससे व्यवसाय का विस्तार और विकास संभव होता है।

प्रश्न 3. भविष्य में बचत या पुनर्निवेश आपके व्यवसाय की कैसे सहायता कर सकते हैं?

भविष्य के लाभ: बचत आपातकालीन परिस्थितियों में मदद करती है जबकि पुनर्निवेश से लाभ बढ़ता है।

गतिविधि 4 विचार से आय तक

निर्देश

- शिक्षार्थियों को समूहों में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को एक प्रकार का व्यवसाय सौंपें।
- उन्हें ₹20,000 का बजट दें और कार्य को स्पष्ट रूप से समझाएँ।
- चर्चा के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कुल खर्च ₹20,000 के भीतर रहे।
- प्रत्येक समूह से अपने निर्णय प्रस्तुत करने और उन पर संक्षिप्त चिंतन करने के लिए कहें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके समूह ने सबसे अधिक खर्च किस श्रेणी में किया और क्यों?

प्रश्न 2. किसी व्यवसाय के लिए बचत या आपातकालीन निधि क्यों आवश्यक है?

प्रश्न 3. यदि आपको अधिक बचत करने के लिए किसी एक खर्च को कम करना पड़े, तो आप किसे कम करेंगे?

लेंसकार्ट

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को Lenskart की केस स्टोरी ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें।
- यह पहचानने के लिए कहें कि कंपनी ने कैसे पैसे बचाए और समझदारी से विकास किया।
- टेम्पलेट को छोटे और स्पष्ट उत्तरों के साथ भरें तथा अपने उत्तर अगली कक्षा में साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. Lenskart ने अपने शुरुआती दिनों में पैसे कैसे बचाए?

प्रश्न 2. Lenskart की वृद्धि के लिए लाभ का पुनर्निवेश क्यों महत्त्वपूर्ण था?

प्रश्न 3. किस खर्च संबंधी निर्णय ने Lenskart को अनावश्यक लागत से बचाया?

प्रश्न 4. इस कहानी से सीखी गई एक वित्तीय आदत जिसे आप अपने जीवन में अपनाना चाहेंगे।

7.3 बचत और निवेश विकल्पों को समझना

गतिविधि 5 बचत या बढ़त?

निर्देश

- शिक्षार्थियों को अपने परिवार के साथ चर्चा करने के लिए प्रेरित करें कि ₹1,000 को बचाया जाए या निवेश करके बढ़ाया जाए।
- उनसे परिवार के विचारों को लिखने के लिए कहें।
- पीढ़ियों के बीच वित्तीय सोच के अंतर पर संक्षिप्त चिंतन करवाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. पैसा बचाने के क्या लाभ हैं?

प्रश्न 2. पैसे को बढ़ाने (निवेश) के क्या जोखिम और लाभ हैं?

प्रश्न 3. बचत या निवेश के बारे में अपने परिवार के विचार से आपने क्या सीखा?

प्रश्न 4. चर्चा के बाद क्या आपकी सोच बदली? क्यों या क्यों नहीं?

गतिविधि 6 धन संबंधी निर्णय का खेल

निर्देश

- शिक्षार्थियों को 3–4 के समूह में विभाजित करें और चार वित्तीय विकल्प समझाएँ।
- बचत और निवेश के बीच अंतर, जोखिम, समय और संभावित रिटर्न पर चर्चा करवाएँ।
- समूहों से तालिका भरने और अपने उत्तर साझा करने के लिए कहें।

वित्तीय विकल्प	बचत / निवेश	कारण	जोखिम स्तर	समय	अपेक्षित रिटर्न
₹500 बचत खाता	*बचत*	*सुरक्षित और तरलता*	*कम*	*कम अवधि*	*कम*

सोना खरीदना	*निवेश*	*मूल्य में वृद्धि की संभावना*	*मध्यम*	*लंबी अवधि*	*मध्यम*
ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करना	*निवेश*	*अधिक लाभ की संभावना*	*अधिक*	*लंबी अवधि*	*अधिक*
बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट	*बचत / निवेश*	*स्थिर रिटर्न*	*कम*	*मध्यम अवधि*	*कम–मध्यम*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. यदि आपको जल्दी पैसे की आवश्यकता हो तो कौन-सा विकल्प सबसे सुरक्षित है? क्यों?

प्रश्न 2. कौन-सा विकल्प सबसे अधिक रिटर्न दे सकता है? इसके साथ कौन-से जोखिम जुड़े हैं?

प्रश्न 3. जोखिम, समय और रिटर्न कैसे यह तय करने में मदद करते हैं कि बचत करें या निवेश?

अपने पहले स्मार्ट मनी मूव की योजना बनाएँ

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- ₹5,000 के लिए एक बचत विकल्प और एक निवेश विकल्प चुनने के लिए कहें।
- जोखिम, समय और संभावित प्रतिफल को संक्षेप में लिखने के लिए मार्गदर्शन दें।
- अपने साथी के साथ अपनी योजना पर चर्चा करें और एक-दूसरे के विचारों की तुलना करें।
- चर्चा के बाद, अपने साथी के विचारों में से एक अच्छी बात और अपनी योजना में एक संभावित बदलाव लिखें।

चिंतन प्रश्न

बचत विकल्प	निवेश विकल्प
मैं ₹3,000 को बचत खाते में रखूँगा/रखूँगी। **प्रश्न 1. क्या इसमें कोई जोखिम है?** *बहुत कम जोखिम।* **प्रश्न 2. परिणाम देखने में कितना समय लगेगा?** *अल्पकालिक; ब्याज धीरे-धीरे समय के साथ बढ़ता है।* **प्रश्न 3. आप किस प्रकार के लाभ या प्रतिफल की अपेक्षा करते हैं?** *सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और थोड़ा निश्चित ब्याज।*	**मैं ₹2,000 ऑनलाइन पुनर्विक्रय (Online Reselling) में निवेश करूँगा/करूँगी।** **प्रश्न 1. क्या इसमें कोई जोखिम है?** *हाँ, मध्यम जोखिम—कम बिक्री या नुकसान की संभावना हो सकती है।* **प्रश्न 2. परिणाम देखने में कितना समय लगेगा?** *मध्यम अवधि; लाभ मिलने में कुछ महीने लग सकते हैं।* **प्रश्न 3. आप किस प्रकार के लाभ या प्रतिफल की अपेक्षा करते हैं?** *अधिक प्रतिफल और व्यवसाय का अनुभव।*

चर्चा के बाद अपने साथी के विचार में आपको क्या अच्छा लगा?

- अपने साथी के विचार में आपको क्या अच्छा लगा?
- आप अपनी योजना में क्या बदलाव करना चाहेंगे?

7.4 जोखिम और रिटर्न को समझना

गतिविधि 7 आप क्या करेंगे?

निर्देश

- दिए गए परिदृश्य को कक्षा में पढ़ें और शिक्षार्थियों को 3–4 के समूहों में विभाजित करें।
- समूह में विकल्पों पर चर्चा करके एक विकल्प सामूहिक रूप से चुनें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपका चयन यह कैसे दर्शाता है कि आप जोखिम लेने में कितने सहज हैं?

यदि मैं विकल्प A चुनता/चुनती हूँ तो इसका अर्थ है कि मैं सुरक्षा और कम जोखिम को प्राथमिकता देता/देती हूँ। यदि मैं विकल्प B चुनता/चुनती हूँ,तो इसका अर्थ है कि मैं अधिक लाभ के लिए जोखिम लेने को तैयार हूँ।

प्रश्न 2. नुकसान की संभावना और अधिक लाभ की संभावना आपके निर्णय को कैसे प्रभावित करती है?

कुछ भी न मिलने का जोखिम मुझे सावधानी से सोचने के लिए प्रेरित करता है लेकिन अधिक लाभ की संभावना जोखिम लेने के लिए प्रेरित भी कर सकती है।

प्रश्न 3. क्या आप कोई वास्तविक जीवन का उदाहरण साझा कर सकते हैं, जहाँ आपको सुरक्षित और जोखिम भरे विकल्पों में से चुनना पड़ा हो?

उदाहरण: बैंक में पैसा बचाना (सुरक्षित विकल्प) या किसी छोटे व्यवसाय में निवेश करना (जोखिम भरा लेकिन अधिक लाभ की संभावना)।

केस स्टोरी 1 BoAt: सोचे-समझे जोखिम के माध्यम से विकास

निर्देश

- शिक्षार्थियों से BoAt की केस स्टोरी ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए कहें।
- उनसे प्रमुख जोखिमों और उन्हें संभालने की रणनीतियों की पहचान करने के लिए कहें।
- चिंतन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखने के लिए शिक्षार्थियों को निर्देश दें।
- जल्दी उत्तर साझा करने और संक्षिप्त चर्चा करवाएँ।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. BoAt ने पूरी तरह सुरक्षित विकल्प चुनने के बजाय सोच-समझकर जोखिम क्यों लिया?

प्रश्न 2. जोखिम के स्तर को समझना किसी व्यवसाय को बेहतर निर्णय लेने में कैसे मदद करता है?

प्रश्न 3. क्या कोई व्यवसाय बिना जोखिम लिए विकसित हो सकता है? स्पष्ट करें।

जोखिम की सीढ़ी — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- प्रत्येक निवेश विकल्प को संक्षेप में समझाएँ।
- शिक्षार्थियों को जोखिम के आधार पर विकल्पों को (1–7) क्रम में रखने के लिए मार्गदर्शन दें।
- उन्हें प्रत्येक विकल्प के लिए एक कारण देने के लिए कहें।
- साथ ही, चिंतन प्रश्नों के उत्तर भी देने के लिए निर्देश दें।

संकेतात्मक उत्तर

निवेश विकल्प	जोखिम स्तर	कारण
बचत खाता	*कम – 1*	*सुरक्षित*
फिक्स्ड डिपॉजिट (FD)	*कम – 2*	*स्थिर रिटर्न*
सोना	*कम–मध्यम – 3*	*मूल्य सुरक्षित रहता है*
म्यूचुअल फंड	*मध्यम – 4*	*बाजार से जुड़ा*
रियल एस्टेट	*मध्यम–उच्च – 5*	*अधिक लागत*
शेयर बाजार	*उच्च – 6*	*उतार-चढ़ाव अधिक*
व्यवसाय में पुनर्निवेश	*उच्च – 7*	*अनिश्चितता*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. यदि आप विकास के बजाय सुरक्षा चाहते हैं तो कौन-सा निवेश विकल्प चुनेंगे? क्यों?

प्रश्न 2. कौन-सा विकल्प सबसे अधिक रिटर्न दे सकता है और उससे जुड़े जोखिम क्या हैं?

प्रश्न 3. जोखिम के स्तर को समझना बेहतर निवेश निर्णय लेने में कैसे मदद करता है?

प्रश्न 4. क्या एक ही निवेश किसी व्यक्ति के लिए कम जोखिम और किसी अन्य के लिए अधिक जोखिम वाला हो सकता है? स्पष्ट करें।

अस्वीकरण

इस अध्याय में उपयोग किए गए निवेश विकल्प सामान्य उदाहरण हैं। दर्शाया गया जोखिम स्तर केवल बुनियादी समझ के लिए है और यह बाज़ार की परिस्थितियों, निवेश की अवधि तथा व्यक्तिगत निर्णयों के अनुसार बदल सकता है। यह सामग्री केवल सीखने और जागरूकता के उद्देश्य से दी गई है तथा इसे वित्तीय सलाह के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

अध्याय 08

व्यवसाय अनुपालन और संरक्षण

Q7V2L7

कालांश: 6

यह अध्याय शिक्षार्थियों को कानूनी अनुपालन और व्यावसायिक साक्षरता से परिचित कराता है, जिसमें जोखिमों, समझौतों (एमओयू/MoU, एनडीए/NDA, सेवा समझौता), बौद्धिक संपदा (ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, पेटेंट), और स्पाइस (SPICe) फॉर्म के माध्यम से कंपनी पंजीकरण को शामिल किया गया है। केस अध्ययन (केस स्टडी), चिंतन और गतिविधियों के माध्यम से, छात्र विचारों की रक्षा करना, विवादों को रोकना और कानूनी अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया की उद्यमिता से जोड़ना सीखते हैं।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अंत में, शिक्षार्थी निम्नलिखित में सक्षम होंगे

- सामान्य कानूनी जोखिमों की पहचान करने और अनुपालन की आवश्यकता को स्पष्ट करने में।
- प्रमुख कानूनी दस्तावेजों (एमओयू/MoU, एनडीए/NDA, सेवा समझौता/Service Agreement) और उनके उपयोगों को पहचानने में।
- बौद्धिक संपदा अधिकारों (ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, पेटेंट) को समझने और विचारों की सुरक्षा के लिए उन्हें लागू करने में।
- विवादों को रोकने और स्टार्टअप की सुरक्षा के लिए वास्तविक परिदृश्यों (स्थितियों) में कानूनी ज्ञान लागू करने में।
- भारत में कंपनी पंजीकरण के लिए स्पाइस (SPICe) फॉर्म के उद्देश्य और उपयोग को समझाने में।

पिछली कक्षा से जोड़ना

C5S9X4

कक्षा 11 में, शिक्षार्थियों ने निम्नलिखित अवधारणाओं को समझा है

- व्यावसायिक संरचना और गठन: व्यवसायों के प्रकार (एकल स्वामित्व, साझेदारी, कंपनी) और बुनियादी पंजीकरण प्रक्रियाएं।
- आईपीआर (IPR) जागरूकता: विचारों, उत्पादों और ब्रांड की पहचान की रक्षा के लिए पेटेंट, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट को समझना।
- विनियामक अनुपालन (Regulatory Compliance): नैतिक व्यावसायिक संचालन के लिए कानूनों, लाइसेंसों और सरकारी नियमों का पालन करने का महत्व।
- कानूनी जिम्मेदारियां: साझेदारी और व्यापारिक लेन-देन के प्रबंधन के लिए आवश्यक भूमिकाएं, समझौते और प्रलेखन (डॉक्यूमेंटेशन)।
- ईएसजी (ESG) और उत्तरदायी उद्यमिता: टिकाऊ और जिम्मेदार व्यावसायिक विकास के लिए सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक प्रथाएं।

औचित्य

सुरक्षित, नैतिक और टिकाऊ व्यवसाय चलाने के लिए कानूनी नियमों को समझना आवश्यक है। यह अध्याय शिक्षार्थियों को जोखिमों की पहचान करने, कानूनी दस्तावेजों का उपयोग करने, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा करने और जिम्मेदार उद्यमिता का अभ्यास करने के लिए सुसज्जित करता है, जिससे वे आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार नवप्रवर्तक (इनोवेटर) बन सकें।

SDG और NEP 2020 के साथ समन्वय स्थापित करना

मुख्य फोकस	संरेखित सतत विकास लक्ष्य (SDG)	अध्याय से सहयोग के क्षेत्र	NEP 2020 से सामंजस्य
1. वधिकि अनुपालन	SDG 16 शांति, न्याय और सशक्त संस्थाएँ	छात्रों को कानूनों को समझने और उचित व्यावसायिक नियमों का पालन करने में सहायता करता है.	नैतिक समझ और उत्तरदायी व्यवहार को बढ़ावा देता है
2. विधिक दस्तावेज़	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	स्पष्ट व्यावसायिक संचालन के लिए एमओयू (MoU), एनडीए (NDA) और अनुबंधों का उपयोग सिखाता है	अनुभवात्मक और व्यावहारिक अधिगम को प्रोत्साहित करता है
3. आईपीआर (IPR) संरक्षण	SDG 9 – उद्योग, नवाचार और अवसंरचना	विचारों, ब्रांडों और नवाचारों के संरक्षण के विषय में जागरूकता बढ़ाता है	नवाचार और आलोचनात्मक चिंतन कौशल विकसित करता है
4. व्यवसाय पंजीकरण	SDG 8 – सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास	औपचारिक व्यवसाय स्थापना और विधिक पहचान (SPICe) की व्याख्या करता है	कौशल-आधारित और वास्तविक जीवन के अधिगम का समर्थन करता है
5. नैतिक उद्यमिता	SDG 12 – उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन	उत्तरदायी, सतत और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को प्रोत्साहित करता है	मूल्यों और 21वीं सदी की दक्षताओं का निर्माण करता है

8.1 उद्यमियों के लिए विधिक जागरूकता एवं अनुपालन।

गतिविधि 1 जोखिम पहचाने

निर्देश

- कक्षा को चार छोटे समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को एक परिदृश्य सौंपें (या सभी समूहों को सभी परिदृश्यों पर चर्चा करने की अनुमति दें)।
- छात्रों से यह पहचानने के लिए कहें कि उस स्थिति में क्या समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- उन्हें यह सुझाव देने का निर्देश दें कि व्यवसाय को किस प्रकार प्रतिक्रिया देनी चाहिए।
- सरल और व्यावहारिक समाधानों को प्रोत्साहित करें।

परिदृश्य	क्या समस्या उत्पन्न हो सकती है	उनका समाधान कैसे किया जा सकता है
अनुपस्थित आपूर्तिकर्ता (Missing Supplier)	*कच्चे माल में देरी, कार्य का रुकना*	*वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता (बैकअप) रखें और सामग्री-सूची (Inventory) की अग्रिम योजना बनाएं*
दल में असहमति (Team Disagreement)	*खराब टीम वर्क, निर्णय लेने में देरी*	*खुलकर संवाद करें, स्पष्ट भूमिकाएँ सौंपें, एक मध्यस्थ (Mediator) को शामिल करें*
फर्जी समीक्षा (Fake Review)	*ग्राहकों के विश्वास और बिक्री में कमी*	*फर्जी समीक्षाओं की रिपोर्ट करें, विनम्रतापूर्वक उत्तर दें, वास्तविक समीक्षाओं को प्रोत्साहित करें*
अचानक प्रतिस्पर्धी का आना (Sudden Competitor)	*ग्राहकों में कमी और मूल्य निर्धारण का दबाव*	*गुणवत्ता में सुधार करें, बेहतर सेवा प्रदान करें, अपनी विशिष्टता (Uniqueness) को उजागर करें*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किसी व्यवसाय में जोखिमों की शीघ्र पहचान करना क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रश्न 2. आपको कौन सा जोखिम सबसे गंभीर लगा और क्यों?

प्रश्न 3. नियोजन व्यावसायिक समस्याओं को कैसे कम कर सकता है?

केस स्टोरी 1 स्थानीय व्यवसायिक विवाद

निर्देश

- शिक्षार्थियों को मौखिक अनुबंधों के जोखिमों और विधिक अनुपालनकी आवश्यकता के बारे में संक्षेप में बताएँ।
- शिक्षार्थियों को यह केस स्टोरी पढ़ने और जोड़ियों/समूहों में चर्चा करने के लिए कहें।
- उन्हें 'चिंतन प्रश्नों' के संक्षिप्त उत्तर देने के लिए निर्देशित करें।
- मुख्य अधिगम को कक्षा में शीघ्रता से साझा करने के लिए प्रेरित करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रमेश और सुनीता को 'टेस्टी कॉर्नर' में अपनी साझेदारी में समस्याओं का सामना क्यों करना पड़ा?

प्रश्न 2. व्यवसाय शुरू करते समय उन्होंने कौन सा महत्वपूर्ण कदम छोड़ दिया जिसके कारण विवाद उत्पन्न हुआ?

प्रश्न 3. भागीदारों के साथ व्यवसाय शुरू करने के विषय में यह कहानी क्या शिक्षा देती है?

प्रश्न 4. यदि रमेश और सुनीता ने शुरुआत में ही स्पष्ट भूमिकाओं और स्वामित्व पर चर्चा कर उन्हें लिखित रूप दिया होता, तो उनकी साझेदारी का परिणाम किस प्रकार भिन्न हो सकता था?

लीगल सेंस एक्सप्लोरर — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- किसी स्थानीय व्यवसाय का अवलोकन करें और एक विधिक जोखिम (Legal Risk) की पहचान करें।
- जोखिम को कम करने के लिए एक विधिक कदम/दस्तावेज़ नोट करें।
- एक मुख्य सीख के साथ एक संक्षिप्त चिंतन लिखें।

सांकेतिक प्रतिक्रियाएँ

- ***पहचाना गया जोखिम:*** *भुगतान विवाद / भुगतान का कोई प्रमाण न होना।*

- ***दस्तावेज़ या विधिक कदम:*** *बिल/रसीदें जारी करना - प्रमाण और विधिक सुरक्षा।*
- ***एक सीख:*** *रसीदें विवादों को रोकती हैं, विधिक सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, और विश्वास तथा व्यावसायिकता का निर्माण करती हैं।*

8.2 मूल कानूनी दस्तावेज़ों को समझना

गतिविधि 2 "नूरीक्राफ्ट" की कहानी

निर्देश

- शिक्षार्थियों से केस को पढ़ने और गलतियों की पहचान करने के लिए कहें।
- रोकथाम की रणनीतियों पर साथी/समूह में चर्चा का मार्गदर्शन करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. नूरीक्राफ्ट के संस्थापकों ने अपना व्यवसाय शुरू करते समय कौन सी विधिक और नैतिक गलतियाँ कीं?

प्रश्न 2. पंजीकृत लोगो के अभाव ने किस प्रकार विवादों और उद्यम के बंद होने में योगदान दिया?

प्रश्न 3. यदि आप संस्थापकों में से एक होते, तो इन समस्याओं से बचने के लिए शुरुआत में कौन से दो कदम उठाते?

गतिविधि 3 दस्तावेज़ जासूस – विधिक जीवनरेखा

निर्देश

- 4-5 शिक्षार्थियों के समूह बनाएँ और उनके समक्ष परिदृश्य प्रस्तुत करें।
- समूहों को एक उपयुक्त कारण के साथ सही विधिक दस्तावेज़ का मिलान करने के लिए कहें।
- विचारों को साझा करने की सुविधा प्रदान करें और विधिक संरक्षण की भूमिका को सुदृढ़ करें।

क्र. सं.	परिदृश्य	प्रश्न	आवश्यक दस्तावेज़ और कारण
1	स्नैक व्यवसाय (मौखिक योजनाएँ)	विवादों को कैसे रोकें?	*एमओयू (MoU) – भूमिकाओं और लाभ की स्पष्टता*
2	ऐप (App) का विचार प्रस्तुत करना	विचारों की सुरक्षा कैसे करें?	*एनडीए (NDA) – गोपनीयता (Confidentiality)*
3	ब्रांड द्वारा डिज़ाइनर को काम पर रखना	अपेक्षाएँ कैसे निर्धारित करें?	*सेवा समझौता (Service Agreement) – कार्य और भुगतान*
4	उत्सव (Fest) में फ़ोटोग्राफ़ी बूथ	भूमिकाएँ कैसे तय करें?	*एमओयू (MoU) – भूमिकाएँ और कमाई*
5	रोबोटिक्स प्रोटोटाइप साझा करना	गोपनीयता कैसे सुनिश्चित करें?	*एनडीए (NDA) – विवरणों की सुरक्षा*
6	कैफे द्वारा इन्फ्लुएंसर को काम पर रखना	कार्य कैसे स्पष्ट करें?	*सेवा समझौता (Service Agreement) – कार्य-परिणाम (Deliverables) और समय-सीमा*

लघु समझौता निर्माण चुनौती।

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को एक छोटे व्यवसाय का विचार चुनने का निर्देश दें।
- दो संभावित भागीदार विवादों (Partner Conflicts) की पहचान करने में उनका मार्गदर्शन करें।
- शिक्षार्थियों से नाम, व्यवसाय के उद्देश्य, भूमिकाओं, लाभ के बँटवारे और निकास योजना (Exit Plan) को शामिल करते हुए 5-बिंदुओं वाले साझेदारी समझौते का मसौदा (Draft) तैयार करने के लिए कहें।
- मुख्य संदेश पर बल दें: "इसे लिखें। केवल अनुमान न लगाएँ (Write it. Don't assume it)।" स्पष्ट दस्तावेज़ीकरण (Documentation) गलतफहमियों को रोकता है।
- शिक्षार्थियों से अगली कक्षा में अपना समझौता (Agreement) लाने के लिए कहें।

8.3 बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR – Intellectual Property Rights)

गतिविधि 4 सोचें-जोड़ी बनाएँ-साझा करें: यदि यह आपका होता तो?

निर्देश

- परिदृश्य प्रस्तुत करें और शिक्षार्थियों को स्थिति की कल्पना करने के लिए कहें।
- भावनाओं और निष्पक्षता (Fairness) पर जोड़ियों में चर्चा को सुविधाजनक बनाएँ।
- शिक्षार्थियों को 'चिंतन प्रश्नों' के संक्षिप्त उत्तर देने का निर्देश दें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके विचार में रचनाकारों (Creators) को अपने विचारों और रचनाओं के लिए विधिक संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

प्रश्न 2. यदि कोई बिना अनुमति के किसी अन्य व्यक्ति के विचार का उपयोग करता है तो क्या समस्याएँ हो सकती हैं?

प्रश्न 3. यदि आपने कुछ मौलिक बनाया है, तो आप इसकी सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाएंगे?

गतिविधि 5 IPR परिदृश्य वर्गीकरण – IPR निरीक्षक बनें

निर्देश

- शिक्षार्थियों को 4-5 के समूहों में विभाजित करें और परिदृश्य तालिका (Scenario Table) प्रदान करें।
- उन्हें आईपीआर निरीक्षक के रूप में कार्य करने और एक संक्षिप्त कारण देते हुए प्रत्येक परिदृश्य के लिए पेटेंट, कॉपीराइट या ट्रेडमार्क निर्धारित करने के लिए कहें।
- समूहों को विचारों की रक्षा करने के महत्व को साझा करने और उस पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित करें।
- ज्ञानवर्धक (Knowledge Booster) तथ्य पर प्रकाश डालें: "उचित आईपीआर (IPR) नवाचार की रक्षा करता है, रचनात्मकता को पुरस्कृत करता है और एक व्यावसायिक पहचान बनाता है।"

नमूना उत्तरों के साथ परिदृश्य तालिका

क्र.सं.	परिदृश्य	सही आईपीआर (IPR)	कारण (संक्षेप में)
1	प्लास्टिक-अपशिष्ट छँटाई मशीन	पेटेंट	*तकनीकी आविष्कार*

2	ग्रीटिंग कार्ड डिज़ाइन	कॉपीराइट	*रचनात्मक कार्य*
3	कैफे का लोगो और स्लोगन (नारा)	ट्रेडमार्क	*ब्रांड की पहचान*
4	शिक्षण ऐप (Tutoring app) का कोड	कॉपीराइट	*सॉफ़्टवेयर/सामग्री*
5	नया साबुन फॉर्मूला	पेटेंट	*नया फॉर्मूला/सूत्र*
6	पैटर्न और ब्रांड का नाम	कॉपीराइट + ट्रेडमार्क	*डिज़ाइन और ब्रांड*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सही आईपीआर (IPR) का चयन व्यवसायों को अपने विचारों और ब्रांड मूल्य (Brand Value) की रक्षा करने में कैसे सहायता करता है?

प्रश्न 2. यदि कोई व्यवसाय अपनी रचनाओं या ब्रांड की रक्षा नहीं करता है तो क्या हो सकता है?

प्रश्न 3. आपके विचार में आप जैसे युवा रचनाकारों के लिए कौन सा आईपीआर सबसे महत्वपूर्ण है, और क्यों?

8.4 व्यवसाय में कानूनी अनुपालन का अनुप्रयोग

गतिविधि 6 कानूनी परेशानी या कानूनी सफलता? (Legal Trouble or Legal Triumph?)

निर्देश

- शिक्षार्थियों को छात्र मैनुअल के प्रत्येक परिदृश्य को 'वैध' (Legal) या 'अवैध' (Illegal) के रूप में पहचानने का निर्देश दें।
- तर्क (Reasoning) समझाने के लिए जोड़ियों या छोटे समूहों में चर्चा को सुविधाजनक बनाएँ।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कानूनों और नैतिक प्रथाओं (Ethical Practices) का पालन करने से व्यवसाय की सुरक्षा होती है तथा विश्वास और प्रतिष्ठा (Reputation) का निर्माण होता है।

नमूना उत्तरों के साथ परिदृश्य तालिका

क्र.सं.	परिदृश्य (Scenario)	वैध / अवैध	स्पष्टीकरण
1.	बिना अनुमति के गीत का उपयोग करना	*अवैध*	*कॉपीराइट समस्या*
2.	पैकेजिंग पर अपना स्वयं का लोगो	*वैध*	*मौलिक उपयोग*
3.	मित्र की कलाकृति की नकल करना	*अवैध*	*कॉपीराइट उल्लंघन*
4.	लाइसेंसीकृत स्टॉक चित्र का उपयोग	*वैध*	*लाइसेंसीकृत उपयोग*
5.	प्रसिद्ध लोगो की नकल करना	*अवैध*	*ट्रेडमार्क समस्या*
6.	स्टार्टअप से पहले एमओयू	*वैध*	*विवादों को रोकता है*
7.	गुप्त रूप से फोन नंबर (डेटा) एकत्र करना	*अवैध*	*गोपनीयता का उल्लंघन*
8.	ईमानदारी से जीएसटी रिपोर्टिंग	*वैध*	*विधिक अनुपालन*
9.	विचार साझा करने से पूर्व एनडीए	*वैध*	*जानकारी (सूचना) की सुरक्षा करता है*
10.	झूठा "शुगर-फ्री" दावा	*अवैध*	*भ्रामक विज्ञापन*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कौन से कार्य व्यवसाय और उसकी प्रतिष्ठा (Reputation) की रक्षा करते हैं?

प्रश्न 2. एमओयू (MOUs) और एनडीए (NDAs) जैसे विधिक दस्तावेज़ विवादों को रोकने में कैसे सहायता करते हैं?

प्रश्न 3. नैतिक और विधिक व्यावसायिक प्रथाओं का पालन करना क्यों महत्वपूर्ण है?

गतिविधि 7 द फूडी फ्रेंड्स फिएस्को (The Foodie Friends Fiasco)

निर्देश

- शिक्षार्थियों को Snaclore केस को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए निर्देश दें।
- उनसे व्यवसाय द्वारा की गई कानूनी और संचालन संबंधी गलतियों की पहचान करने के लिए कहें।
- इन गलतियों से कैसे बचा जा सकता था, इस पर जोड़ियों या छोटे समूहों में चर्चा का संचालन करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. टीम द्वारा की गई शीर्ष तीन गलतियाँ क्या थीं?

प्रश्न 2. एक एमओयू (MOU) विवाद को कैसे रोक सकता था?

प्रश्न 3. लोगो (Logo) की सुरक्षा के लिए उन्हें कौन सा आईपीआर (IPR) कदम उठाना चाहिए था?

अपनी कानूनी रूपरेखा तैयार करें — साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों को एक छोटे व्यवसाय का विचार (जैसे, ऑनलाइन स्टोर, कैफे, ट्यूशन सेवा, हस्तनिर्मित शिल्प) चुनने के लिए कहें।
- उन्हें 1-पृष्ठ की विधिक अनुपालन योजना (Legal Compliance Plan) बनाने के लिए निर्देशित करें, जिसमें निम्नलिखित शामिल हों:
  - व्यवसाय का नाम
  - आवश्यक प्रमुख विधिक दस्तावेज़ (एमओयू, एनडीए, सेवा समझौता)
  - आईपीआर (IPR) के माध्यम से अपने ब्रांड/उत्पाद की सुरक्षा के लिए कदम (ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, पेटेंट)
  - ग्राहकों और भागीदारों के साथ व्यवहार करने के लिए नैतिक नियम (Ethical Rules)
- यह सुनिश्चित करें कि शिक्षार्थी स्पष्ट और साफ-सुथरा लिखें, और अपनी योजना प्रस्तुत करने या उस पर चर्चा करने के लिए तैयार रहें।

नमूना उत्तर

श्रेणी	विधिक दस्तावेज़	आईपीआर (IPR) संरक्षण	नैतिक नियम
मुख्य बिंदु	*एमओयू – भूमिकाएँ और लाभ का बँटवारा तय करना* *एनडीए – रणनीतियों/व्यंजनों की सुरक्षा*	*ट्रेडमार्क – नाम और लोगो* *कॉपीराइट व्यंजन, मेनू, सोशल मीडिया सामग्री*	*डेटा एकत्र करने से पूर्व सूचित करना*

	सेवा समझौता – के लिए शर्तें:		भागीदारों/कर्मचारियों के साथ उचित व्यवहार करना वित्त को पारदर्शी रखना

फैसिलिटेटर सुझाव

- ***योजना में स्पष्टता, पूर्णता और व्यावहारिकता का ध्यान रखें।***
- ***छात्रों को नियमों को वास्तविक व्यावसायिक स्थितियों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।***
- ***विधिक सुरक्षा पर बल देते हुए व्यावसायिक विचारों में रचनात्मकता की प्रशंसा करें।***

8.5 SPICe प्रपत्र – भारत में कंपनी का पंजीकरण

गतिविधि 8 विचार से कंपनी तक (From Idea to Company)

निर्देश

- मान्या और उसके मित्र द्वारा कक्षा 12 के बाद व्यवसाय शुरू करने का परिदृश्य (Scenario) प्रस्तुत करें।
- छात्रों से आवश्यक विधिक कदमों के बारे में व्यक्तिगत रूप से विचार करने के लिए कहें।
- जोड़ियों/समूहों में चर्चा (2-3 मिनट) को सुविधाजनक बनाएँ।
- प्रतिक्रियाओं को कंपनी पंजीकरण, विधिक पहचान और सुरक्षा की ओर निर्देशित करें।
- व्यावसायिक संरचनाओं (Business Structures) के प्रकारों की संक्षिप्त व्याख्या के साथ निष्कर्ष निकालें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किसी व्यवसाय को आधिकारिक तौर पर "कंपनी" कहे जाने से पूर्व किस विधिक कदम की आवश्यकता होती है?

- *कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (Ministry of Corporate Affairs - MCA) के साथ पंजीकरण।*
- *निगमन प्रमाण पत्र (Certificate of Incorporation) प्राप्त करना।*

प्रश्न 2. उद्यमियों के लिए पंजीकरण क्यों महत्वपूर्ण है?

- *यह मालिकों से अलग एक विधिक पहचान प्रदान करता है।*
- *यह बैंक खाते खोलने, अनुबंध (Contracts) करने और ऋण (Loans) प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।*
- *व्यक्तिगत संपत्तियों (Personal Assets) की रक्षा करता है।*
- *विश्वास और विश्वसनीयता (Credibility) का निर्माण करता है।*

फैसिलिटेटर सुझाव

- ***एक औपचारिक कंपनी के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।***
- ***अंतर की संक्षेप में व्याख्या करें:***
  - ***एकल स्वामित्व (Sole Proprietorship) – एकल स्वामी, कोई पृथक विधिक पहचान नहीं।***
  - ***साझेदारी (Partnership) – दो या दो से अधिक स्वामी उत्तरदायित्व साझा करते हैं।***
- ***प्राइवेट लिमिटेड कंपनी (Private Limited Company) – सीमित देयता (Limited Liability) के साथ पृथक विधिक इकाई (Separate Legal Entity)।***
- ***छात्रों को उनके द्वारा जाने जाने वाले स्टार्टअप्स (स्थानीय व्यवसायों, डिजिटल स्टार्टअप्स आदि) के साथ जुड़ने/संदर्भित करने के लिए प्रोत्साहित करें।***

केस स्टोरी 2 एक्स्ट्रास्पार्क सॉल्यूशंस प्रा. लि. (Extraspark Solutions Pvt. Ltd.) की स्थापना

निर्देश

- शिक्षार्थियों से केस स्टोरी को ध्यानपूर्वक पढ़ने और व्यक्तिगत रूप से या जोड़ियों में 'चिंतन प्रश्नों' के उत्तर देने के लिए कहें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रिया और अमन ने एक्स्ट्रास्पार्क सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को पंजीकृत करने के लिए किस फॉर्म का उपयोग किया, और अपनी कंपनी को विधिक रूप से शुरू करने के लिए यह कदम क्यों आवश्यक था?

प्रश्न 2. स्पाइस (SPICe) फॉर्म सफलतापूर्वक जमा (File) करने के बाद रिया और अमन को कौन सी तीन स्वीकृतियाँ या दस्तावेज़ प्राप्त हुए?

प्रश्न 3. इन विधिक स्वीकृतियों को प्राप्त करने से रिया और अमन को अपने व्यवसाय को वैध रूप से संचालित करने और विश्वसनीयता (Credibility) बनाने में कैसे सहायता मिली?

प्रश्न 4. केस के अनुसार, स्पाइस (SPICe) फॉर्म के माध्यम से अपनी कंपनी को पंजीकृत करने के बाद रिया और अमन के लिए कौन से अवसर संभव हो गए?

फैसिलिटेटर सुझाव

- ***स्पष्ट करें कि स्पाइस (SPICe) विधिक पंजीकरण और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।***
- ***प्राइवेट लिमिटेड (Pvt. Ltd.) कंपनियों के लिए स्वचालित स्वीकृतियों (Automated approvals) पर प्रकाश डालें।***
- ***चर्चा करें कि यह संस्थापकों (Founders) और व्यवसाय की सुरक्षा कैसे करता है।***
- ***वैकल्पिक रूप से, एकल स्वामित्व (Sole Proprietorship) / साझेदारी (Partnership) के साथ इसकी तुलना करें।***

यदि ऐसा हो तो क्या होगा...? साप्ताहिक कार्य

निर्देश

- शिक्षार्थियों के समक्ष 'नियम-मुक्त विद्यालय' (Rule-free school) का परिदृश्य प्रस्तुत करें।
- उन्हें दिए गए कार्य को एक सप्ताह में पूरा करने और अगली कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहें।।

सांकेतिक उत्तर

सकारात्मक परिणाम (उदाहरण)

- छात्रों के लिए अधिक स्वतंत्रता और रचनात्मकता में वृद्धि।

नकारात्मक परिणाम (उदाहरण)

- अराजकता (Chaos), छूटे हुए पाठ (Missed lessons) और छात्रों के बीच संघर्ष का कारण बनता है।

उदाहरणार्थ अनुच्छेद (Sample Paragraph)

- व्यवस्था और निष्पक्षता (Fairness) बनाए रखना, तथा लोगों/संसाधनों की रक्षा करना।
- भ्रम और विवादों को रोकना, तथा सुचारू अधिगम (Smooth learning) या व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करना।
- उत्तरदायित्वों को स्पष्ट करना और एक सुरक्षित, उत्पादक वातावरण (Productive environment) का निर्माण करना।

अस्वीकरण

इस NEEEV शिक्षक निर्देशिका में शामिल सभी कहानियाँ वास्तविक व्यक्तियों के जीवन की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समय-सीमा या अन्य तत्व प्रस्तुत उद्यमियों के वास्तविक अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनकी यात्रा के विशेष पहलुओं को उजागर करना है, ताकि विद्यार्थी प्रेरित और उत्साहित हो सकें।

इन कहानियों का चयन केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया गया है और इन्हें किसी उद्यमी या उनके उद्यम के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। State Council of Educational Research and Training (SCERT) किसी उद्यमी या उनकी कंपनी से जुड़े किसी कानूनी विवाद, चूक या विवादास्पद कार्य का समर्थन करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल एवं संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक स्वरूप की पूर्ण अनुरूपता।

NEEEV Facilitator Assessment Checklist

(To be recorded twice in a year)

April to September /October to March

Academic Year:___________ Student Name: ________________________

Class & Section: __________

Weekly Tasks(for all classes)	Ideation (for all classes, specifically class 9) Also, in classroom activities across all classes	Teamwork (for all classes)
☐ All tasks completed on time	☐ Generated creative ideas	☐ Shared responsibilities fairly
☐ Consistent submission	☐ Contributed regularly	☐ Cooperated effectively
☐ Met deadlines	☐ Built on team ideas	☐ Positive group behaviour

Prototype Progress(specifically for class 10 and 11)	Presentation/Pitching(specifically for class 11 and 12) Applicable to other classes in classroom activities	Overall Growth
☐ Contributed to design	☐ Clear, confident delivery	☐ Accepted feedback well
☐ Tested iterations	☐ Handled Q&A effectively	☐ Showed steady improvement
☐ Met milestones	☐ Team support provided	☐ Resilient to challenges

Key Strengths: ____

Areas for Improvement: ______________________________________

Teacher Signature: ______________________________ **Date:** _____________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार
सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार
डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. अमित मुखर्जी, निदेशक, ईस्ट कैंपस, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली
श्री मनीष सोनकर, संस्थापक, ग्रीनसिज़ प्राइवेट लिमिटेड
सुश्री सरिता शर्मा, प्रवक्ता (राजनीति विज्ञान), राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ईस्ट गोकलपुर, लोनी रोड, दिल्ली
श्री विक्रम सिंह, प्र. स्ना. शि. (हिन्दी), सी.एम. श्री स्कूल, लांसर रोड, दिल्ली
सुश्री अंजली वर्मा, पी.जी.टी. (व्यवसाय अध्ययन), मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग, दिल्ली
सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर
श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. दीपाली मल्होत्रा, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
श्री जोगिंदर कुमार, प्रधानाचार्य, जी.सी.एस.वी., सेक्टर-21, रोहिणी, दिल्ली

अनुवादक समूह

डॉ. दीपक शर्मा, सह-निदेशक, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ अम्बरीष उपाध्याय , प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान,पं. मदन मोहन मालवीय राजकीय सर्वोदय विद्यालय, ब्रह्मपुरी, दिल्ली
श्री पवन कुमार प्र. स्ना. शि. (हिंदी) राजकीय सह-शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, साइट–II, सेक्टर–3, द्वारका, नई दिल्ली

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

ISBN No. 978-93-6291-863-5

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024